RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 265 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 13 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

मिशन पूर्वोत्तर पर प्रधानमंत्री मोदी

मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन, मणिपुर को 8,500 करोड़ रुपये की सौगात

आईजोल (मिजोरम) (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिशन पूर्वोत्तर पर हैं। 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। इस दौरान वे 71,850 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मिजोरम में बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन से राज्य को पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ा गया है और पीएम ने इसका उद्घाटन कर दिया है। मणिपुर और असम में हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण होगा। गुवाहाटी में भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती समारोह और कोलकाता में संयुक्त कमांडर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मिजोरम में कहा कि राष्ट्र के लिए, खासकर मिजोरम की जनता के लिए, यह एक ऐतिहासिक दिन है। आज से आइजोल भारत के रेलवे मानचित्र पर जुड़ गया है। मिजोरम के सैरांग से सीधे दिल्ली के आनंद विहार के लिए राजधानी एक्सप्रेस शुरू की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मैं मिजोरम के लेंगपुई एयरपोर्ट पर हूं. दुर्भाग्य से खराब मौसम के कारण मैं आपके बीच आइजोल नहीं आ सका, लेकिन इस माध्यम से भी मैं आपका प्यार और स्नेह महसूस कर रहा हूं।'

मिजोरम में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में आम लोगों को रोज़मर्रा की ज़रूरत की चीज़ों पर भी भारी टैक्स देना पड़ता था। उन्होंने बताया कि टूथपेस्ट, साबुन और तेल जैसे सामानों पर 27 फीसदी तक टैक्स वसूला जाता था। लेकिन आज इन पर सिर्फ 5 फीसदी जीएसटी लागू है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस शासन पर निशाना साधते हुए कहा कि उस दौर में दवाओं, टेस्ट किट और इंश्योरेंस पॉलिसी पर भी भारी टैक्स लगाया जाता था. यही वजह थी कि स्वास्थ्य सेवाएं महंगी थीं और आम परिवारों के लिए इंश्योरेंस लेना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि आज की स्थिति बदल गई है और अब स्वास्थ्य सेवाएं तथा इंश्योरेंस आम लोगों की पहुंच में आ गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकास में मिजोरम ग्रोथ इंजन बनेगा।

मिजोरम के बाद प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर दौरे पर जाएंगे। यहां वह 8,500 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए मणिपुर में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर गोल्डी गैंग ने की फायरिंग

बरेली (एजेंसी)। अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर

दो राउंड फायर कर बाइक सवार दो आरोपी भाग निकले। मामले में रोहित गोदारा गोल्डी बरार के ट्वीट से सनसनी फैली है जिसमें उसने फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। घटना के दौरान दिशा पाटनी के रिटायर्ड सीओ पिता व रिटायर मेजर बहन समेत तीन लोग घर के अंदर सो रहे थे। एसएसपी ने इस मामले में एसपी सिटी के नेतृत्व में पांच टीम गठित की हैं। वहीं सुरक्षा के मददेनजर आधा दर्जन पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बरेली के पुलिस लाइन परिसर से सटे इलाके में रहने वाले रिटायर्ड सीओ जगदीश चंद्र पाटनी की ओर से पुलिस को सूचना मिली कि उनके दरवाजे पर फायर करके कुछ लोग भागे हैं। पुलिस पहुंची तो देखा कि घर की दीवार में फायर लगा है।

गोल्डी बरार के गुर्गे रोहित ने ली जिम्मेदारी

(जय श्री राम)
(राम राम सभी भाइयों को)

मैं वीरेंद्र चारण, महेंद्र सारण (डेलाणा), भाइयों आज ये जो खुशबू पाटनी/दिशा पाटनी (बॉलीवुड एक्ट्रेस) के घर पर (विला नंबर 40, सिविल लाइंस बरेली, यूपी) में फायरिंग हुई है, ये हमने करवाई है। इसने हमारे पूज्य संत (प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज) का अपमान किया था। इसने हमारे सनातन धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश की थी। हमारे आराध्य देवी देवताओं का अपमान नहीं सहा जाएगा। ये तो महज एक ट्रेलर था। अगली बार फिर से इसने या किसी और ने हमारे धर्म के प्रति कुछ अभद्रता दिखाई तो उनके घर में से किसी को जिंदा नहीं छोंडेगे।

बुलंदशहर से लाए नकली पनीर की खेप पकड़ी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के खाद्य विभाग ने बड़े पैमाने

पर नकली पनीर पकड़ा है। दिल्ली-एनसीआर के बाजारों में सप्लाई के लिए जा रहा, 1150 किलो नकली पनीर को खाद्य सुरक्षा विभाग टीम ने पकड़ा है। नमूने को लैब जांच के लिए भेज कर बाकी बचे पनीर को नष्ट कर दिया गया।

त्योहारों के आते ही मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। गौतमबुद्धनगर खाद्य सुरक्षा विभाग त्योहारों के आने से पहले ही सक्रिय हो गया है और जेवर थाना पुलिस के साथ मिल कर कार्रवाई करते हुए बाजारों में भेजे जा रहे नकली पनीर की बड़ी खेप को पकड़ा है। यह नकली पनीर बुलंदशहर से दिल्ली-एनसीआर के (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा में गंदगी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी: पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। विधायक नोएडा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तर प्रदेश पंकज सिंह ने आज नोएडा के विभिन्न सेक्टरों एवं सोसाइटियों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया।

इस दौरान उन्होंने बारात घर सेक्टर 92, कम्युनिटी हाल केंद्रीय विहार सेक्टर 82, पॉकेट-ए सेक्टर 105 (ब्लॉक A, B एवं C), ग्रेट वैल्यू शरणम् सोसाइटी सेक्टर 107 तथा बारात घर सेक्टर 47 में स्थानीय नागरिकों से संवाद किया। जनसंवाद के दौरान विधायक ने गांवों एवं सोसाइटियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गांवों में सीवर और पेयजल की समस्या तथा सोसाइटियों में शुद्ध पानी की उपलब्धता, पार्कों का विकास, सौंदर्यीकरण एवं सोलर लाइट की व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हेयर कटिंग के पैसे मांगने पर पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। हेयर कटिंग के पैसे मांगने पर दबंग युवकों ने सैलून संचालक के साथ मारपीट की।सैलून संचालक को बचाने आई उसकी गर्भवती पत्नी के साथ भी आरोपियों ने मार पिटाई कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने इस संबंध में थाना सेक्टर 39 में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले नीरज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह कॉलोनी में सैलून चलाता है। 7 अप्रैल की दोपहर को करण नामक युवक उसकी दुकान पर आया और उसने हेयर कटिंग कराई। हेयर कटिंग करने के बाद उसने जब अपने पैसे मांगे तो करण आग बबूला हो गया और उसने धमकाते हुए कहा कि उसकी हिम्मत कैसे हो गई उससे पैसे मांगने की। नीरज के मुताबिक करण उसके साथ गाली- गलौज करने लगा इस पर उसने पुलिस बुलाने को कहा। करण ने फोन कर तुषार व अपने अन्य साथियों को भी सैलून में बुला लिया। इन लोगों ने दुकान का गेट बंद कर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। तुषार ने उसे पीछे से पकड़ लिया और करण ने उसके ऊपर धारदार हथियार से वार कर उसे लहू लुहान कर दिया।

नीरज के मुताबिक इस दौरान उसकी गर्भवती पत्नी चंचल शोर शराबा सुनकर दुकान में आ गई। उसने आरोपियों के चंगुल से उसे बचाने का प्रयास किया (शेष पृष्ठ-3 पर)

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के मददेनजर

नोएडा- ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के सुंदरीकरण व मरम्मत का कार्य शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के एक्सप्रेसवे में 25 सितंबर से शुरू हो रहे इंटरनेशनल ट्रेन शो के मददेनजर एक्सप्रेसवे को संवारने तथा सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू किया जा रहा है। 20 सितंबर तक एक्सप्रेसवे को सुंदरीकरण तथा मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

25 से 29 सितंबर तक ग्रेटरनोएडा के एक्सपो सेंटर में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो होने जा रहा है। इस आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कर सकते है। जिसके लिए सीएम योगीआदित्यनाथ ने उनसे समय मांगा है। इस दौरान पांच दिन सेंट्रल मिनिस्टर के अलावा वीवीआई, विदेशी डेलिगेशन की मूवमेंट होगी। इस कार्यक्रम में करीब 4 लाख लोग आने की उम्मीद है। ये सभी नोएडा एक्सप्रेस वे के जरिए दिल्ली से ग्रेटरनोएडा के एक्सपो सेंटर आएंगे। इस लिए एक्सप्रेस वे काया कल्प होने जा रही ही है।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि पूरे एक्सप्रेसवे के डिवाइडर, सेंट्रल वर्ज, एक्सप्रेसवे किनारे लगे म्यूरल को साफ-सुथरा, थर्मो प्लास्टिक पेंट किया जा रहा है। इसके अलावा सड़को की मरम्मत करने का काम शुरू होने जा रहा है। एक्सप्रेसवे को 20 सितंबर तक चकाचक किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों की रात-दिन ड्यूटी लगाई जा रही है। साथ ही गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

रोडरेज में दो युवकों की पिटाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छोटे-छोटे मामलों में लोग अपना आपा खोकर झगड़ रहे हैं। थाना दादरी क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुई रोडरेज की दो घटनाओं में दो युवकों के साथ मारपीट की गई। मारपीट में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं पीड़ितों ने आरोपियों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम रायपुर बांगर के रहने वाले अंकित ने थाना दादरी में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि वह 12 सितंबर की सुबह पानी की सप्लाई देकर वापस अपने गांव आ रहा था। गांव के बाहर पुल पर गांव के ही सतीश शर्मा, (शेष पृष्ठ-3 पर)

पार्किंग संचालन में मिली कई खामियां

सुधरे नहीं तो होगी कड़ी कार्रवाई : विश्वास त्यागी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा किए गए

औचक निरीक्षण में कई स्थानों पर ठेकेदारों की मनमानी तथा अवैध वसूली एवं गलत तरीके से पार्किंग की खामियां देखने को मिली ।

इस दौरान सेक्टर-33 में स्थित एआरटीओ दफ्तर के बाहर की पार्किंग में कई गड़बड़ी देखने को मिली।

वहीं सेक्टर 63 तथा 7 एक्स सोसायटी समेत कई जगहों पर पार्किंग में खामियां पाई गई।

नोएडा ट्रैफिक सेल के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक विश्वास त्यागी ने बताया कि सेक्टर-33ए स्थित एआरटीओ के बाहर पार्किंग में काफी अनियमितताएं पाई गई। पार्किंग कर्मियों के हाथ में टिकट की मशीन नहीं थी।कई लोग निर्धारित वर्दी में नहीं पाए गए। पार्किंग दरों का बोर्ड नहीं लगा था पार्किंग क्षेत्र भी निर्धारित नहीं किया गया था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मनोज गुप्ता बने जीएसटी सुधार अभियान के क्षेत्रीय संयोजक

बधाईयों का तांता

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता को 'जीएसटी रिफॉर्म अभियान' का क्षेत्रीय संयोजक बनाए जाने पर भाजपा नोएडा महानगर के नेताओं ने उन्हें बधाई दी।

मनोज गुप्ता ने बताया कि इस अभियान में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल लखनऊ में बैठक करेंगे। जिसमें इस अभियान के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में इस अभियान के लिए जिला संयोजक और सहसंयोजक बनाए जाएंगे। जिनको लखनऊ प्रदेश कार्यालय बैठक के लिए भी बुलाया जाएगा।

मनोज गुप्ता ने बताया कि हाल ही

में भारत सरकार ने जीएसटी की दरों को घटाया है। इससे हर वर्ग को काफी राहत मिली है। जीएसटी सुधार अभियान के माध्यम से आम जनता तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाएगी।

कुत्तों के सहारे नई सियासी जमीन तलाश रहे हैं विजय गोयल!

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी से उपेक्षित चल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल अब कुत्तों के मुद्दों को लेकर अपनी नई सियासी जमीन तलाश रहे हैं।

कल नोएडा मीडिया क्लब पहुंचे विजय गोयल ने कहा कि कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कंफ्यूज है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार भी गलत सर्कुलर जारी कर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन कर रही है उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस सर्कुलर को सही करने का आग्रह किया है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए विजय गोयल ने कहा कि कुत्तों के वैक्सीनेशन में दिल्ली से लेकर समूचे एनसीआर में घोटाला हो रहा है अभी तक कुत्तों को मोहल्ले में ही खाना खिलाया जा रहा है। हिंसक कुत्ते सड़क पर घूम रहे हैं तथा लोगों को काट रहे हैं लेकिन इस मामले पर अभी तक नगर निगम तथा प्राधिकरण के अधिकारी मौन साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ उन्होंने दिल्ली तथा एनसीआर में मुहिम शुरू कर दी है तथा वह सुप्रीम कोर्ट में भी आप अपना पक्ष रखेंगे।

उधर शहर वासियों का कहना है कि दरअसल विजय गोयल दिल्ली में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तीन बार सांसद तथा दो बार केंद्रीय मंत्री पद पर रह चुके हैं लेकिन फिलहाल उन्हें ना तो सरकार में कोई जिम्मेदारी मिली है और ना ही संगठन में उन्हें दिल्ली से लोकसभा का टिकट भी नहीं दिया गया। ऐसे में अपनी सियासी उपेक्षा से बौखलाए विजय गोयल अब कुत्तों की सियासत करके नई सियासी जमीन तलाश रहे हैं। यही वजह है कि वह अभियान नामक संस्था के जरिए कुत्तों के खिलाफ पिछले एक दो वर्षों से मुहिम चला रहे हैं।

अपने संबोधन के दौरान विजय गोल्ड ने मेनका गांधी के संगठन पर भी सवालिया निशान उठाए (शेष पृष्ठ-3 पर)

यूपी सरकार के सर्कुलर की प्रतियां फाड़ी

प्रेसवार्ता के दौरान एक समाजसेवी जोगेन्द्र सिंह ने यूपी सरकार के प्रमुख सचिव द्वारा जारी सर्कुलर तथा एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) की प्रतियां फाड़ दीं। उनका कहना था कि यह सभी आदेश जनविरोधी हैं तथा इनका बहिष्कार किया जाना चाहिए।

जनप्रतिनिधियों पर भरोसा नहीं है फोनरवा तथा डीडीआरडब्लूए को!

दिल्ली के पूर्व सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल को नोएडा में कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए बुलाना यह साबित करता है कि फोनरवा और डीडीआरडब्लूए को अपने जनप्रतिनिधियों पर भरोसा नहीं रहा। शहर के कई लोगों का कहना है कि हमारे शहर की समस्याओं का समाधान हमारे सांसद तथा विधायक ही निकाल सकते हैं। बाहरी नेता हमारी समस्याओं को क्या हाल करेगा। लेकिन नोएडा के उक्त संगठनों को लगता है कि नोएडा की समस्या का समाधान विजय गोयल ही कर सकते हैं। इसलिए उनको विशेष तौर पर नोएडा आमंत्रित किया गया।

जोखिम भरी दवा

यह सर्वविदित है कि भारत में डॉक्टरी सलाह तथा बिना परामर्श के एंटीबायोटिक दवाएं लेना आम बात है। यह जानते हुए भी कि लगातार इन दवाओं के सेवन से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता गहरे तक प्रभावित होती है। एक समय ऐसा आ जाता है कि रोगों पर ये एंटीबायोटिक दवाएं काम करना बंद कर देती हैं। इस चिंता को हाल में हुए एक अध्ययन ने बढ़ाया है। नये अध्ययन ने एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर किया है, जो बताता है कि भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के पीछे मरीजों की सोच एक प्रमुख कारक है। अधिकांश लोगों की धारणा है कि इन दवाओं के सेवन से वे स्वत: ही ठीक हो जाएंगे। उन्हें डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के कुछ डॉक्टर भी अक्सर अपने मरीजों को बनाए रखने के लिये ऐसा करते हैं। वास्तव में इस प्रवृत्ति के परिणाम खासे चौंकाने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक भारत में अकेले निजी क्षेत्र में ही सालाना आधे अरब से ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लिखी जाती हैं। जिनमें बड़ी संख्या में ऐसी दवाइयां होती हैं, जिनकी वास्तव में जरूरत ही नहीं होती। आमतौर पर बच्चों में होने वाले दस्त के मामले में यह दुरुपयोग सबसे ज्यादा है। हालांकि, ज्यादातर मामले वायरल का प्रभाव होते हैं। ऐसी स्थिति में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और जिंक सकारात्मक परिणाम देते हैं। अध्ययन से पता चला है कि इसके बावजूद 70 फीसदी मामलों में अभी भी एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अतार्किक मांग, कड़े कानूनों का अभाव और डॉक्टरों द्वारा जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने के कारण एंटीबायोटिक दवाइयों पर मरीजों की निर्भरता बढ़ती चली गई है। कालांतर एंटीबायोटिक दवाइयों पर लगातार बढ़ती निर्भरता के चलते एक घातक चक्र का निर्माण होता है। जो मरीज के शरीर में तमाम तरह के साइड इफेक्ट भी पैदा करता है। वास्तव में इससे बड़ा संकट यह है कि एक समय के बाद ये दवाइयां रोग के खिलाफ काम करना बंद कर देती हैं। कई तरह के रोग बढ़ाने वाले रोगाणु इनके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। बहुत संभव है कि किसी महामारी के वक्त व्यक्ति का शरीर एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के बावजूद सुरक्षा कवच न दे। निश्चित रूप से इस संकट से बचने का सरल उपचार यही है कि इसका उपयोग कम से कम किया जाए। सरकारों को भी कानून के जरिये इसका नियमन करना चाहिए। हमें इससे जुड़े आसन्न संकट को महसूस करना चाहिए। यह खतरा मरीज की व्यक्तिगत सुरक्षा से कहीं आगे तक विस्तारित है। गंभीर चिंता का विषय यह है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर दुनिया में सबसे घातक संकटों में से एक के रूप में उभर रहा है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वैश्विक स्तर पर, यह पहले से ही हर साल लगभग 50 लाख मौतों का कारण बनता है। अकेले भारत में, वर्ष 2021 में 2.5 लाख से ज्यादा मौतें सीधे तौर पर एएमआर से जुड़ी थीं और लगभग 10 लाख से ज्यादा मौतें दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से जुड़ी थी। खासतौर पर चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2019 में, गंभीर दवा-प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण वाले केवल 7.8 भारतीयों को ही प्रभावी एंटीबायोटिक्स मिले। जो इस उपचार की एक बड़ी कमी को उजागर करता है। जिसके चलते प्रतिरोधी रोगाणु आसानी से फैलते हैं और एक बार ठीक हो सकने वाले संक्रमणों को घातक बना देते हैं। जिसके चलते सर्जरी, कैंसर के इलाज और नियमित देखभाल को कहीं ज्यादा जोखिमभरा बना देते हैं। निश्चित रूप से इस दिशा में जनजागरण अभियान की जरूरत है कि हर छोटे-मोटे रोग के लिये एंटीबायोटिक दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है। जन अभियानों के जरिये एंटीबायोटिक्स से जुड़ी भ्रांतियों को सरकार व सामाजिक स्तर पर दूर करने की जरूरत होगी। इनके अंधाधुंध उपयोग रोकने के लिये कानून से नियमन जरूरी है। साथ ही तर्कसंगत उपचार के लिये किफायती नैदानिक विकल्प व्यापक रूप से उपलब्ध कराने होंगे। साथ ही सरकार सुनिश्चित करे कि जिनको वास्तव में एंटीबायोटिक्स दवाओं की जरूरत है, उन्हें ये समय पर सहज रूप से मिल सकें। अन्यथा प्रतिरोध की यह मौन महामारी अनगिनत लोगों की जान ले लेगी।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि इनको देखते ही अत्यन्त प्रेम के वश होकर मेरे मन ने जबर्दस्ती ब्रह्मसुख को त्याग दिया है। मुनि ने हँसकर कहा- हे राजन! आपने ठीक (यथार्थ ही) कहा। आपका वचन मिथ्या नहीं हो सकता॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

ए प्रिय सबहि जहाँ लगि प्रानी। मन मुसुकाहिं रामु सुनि बानी॥
रघुकुल मनि दसरथ के जाए। मम हित लागि नरेस पठाए॥

जगत में जहाँ तक (जितने भी) प्राणी हैं, ये सभी को प्रिय हैं। मुनि की (रहस्य भरी) वाणी सुनकर श्री रामजी मन ही मन मुस्कुराते हैं (हँसकर मानो संकेत करते हैं कि रहस्य खोलिए नहीं)। (तब मुनि ने कहा-) ये रघुकुल मणि महाराज दशरथ के पुत्र हैं। मेरे हित के लिए राजा ने इन्हें मेरे साथ भेजा है॥

दो0-रामु लखनु दोउ बंधुबर रूप सील बल धाम।
मख राखेउ सबु साखि जगु जिते असुर संग्राम॥

ये राम और लक्ष्मण दोनों श्रेष्ठ भाई रूप, शील और बल के धाम हैं। सारा जगत (इस बात का) साक्षी है कि इन्होंने युद्ध में असुरों को जीतकर मेरे यज्ञ की रक्षा की है॥

मुनि तव चरन देखि कह राऊ। कहि न सकउँ निज पुन्य प्रभाऊ॥
सुंदर स्याम गौर दोउ भ्राता। आनँदहू के आनँद दाता॥

राजा ने कहा- हे मुनि! आपके चरणों के दर्शन कर मैं अपना पुण्य प्रभाव कह नहीं सकता। ये सुंदर श्याम और गौर वर्ण के दोनों भाई आनंद को भी आनंद देने वाले हैं।

(क्रमश:..)

हिंद महासागर में और बढ़ेगा भारत का प्रभाव

वाराणसी की प्राचीन धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगूलाम आमने-सामने बैठे, तो यह दृश्य केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं था। यह उस ऐतिहासिक सांस्कृतिक यात्रा का पुनर्पुष्टिकरण था, जो सदियों पहले गंगा की लहरों के साथ हिंद महासागर पार करके मॉरीशस पहुँची थी। भारत और मॉरीशस का रिश्ता केवल द्विपक्षीय साझेदारी नहीं बल्कि रक्त-संबंधों जैसा है, जहाँ संस्कृति, परंपरा और प्रवासी भावना एक साझा सेतु का निर्माण करती है।

काशी केवल भारत की धार्मिक राजधानी नहीं, बल्कि विश्व के सबसे प्राचीन जीवित नगरों में एक है। यहाँ से निकली भारतीय संस्कृति ने मॉरीशस की मिट्टी में भी अपनी जड़ें जमाई हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मॉरीशस परिवार हैं, तो यह वाक्य प्रवासी भारतीयों की पीढ़ियों के अनुभव का संक्षेप था। वाराणसी की यह मुलाकात भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का एक उज्ज्वल उदाहरण है।

देखा जाये तो आज का दौर केवल भावनाओं से नहीं चलता। हिंद महासागर की राजनीति में भारत और मॉरीशस की निकटता का सीधा संबंध रणनीतिक समीकरणों से है। चागोस समझौते पर भारत का समर्थन मॉरीशस की संप्रभुता को पुष्ट करता है और उपनिवेशवाद विरोधी भूमिका को सशक्त बनाता है। साथ ही समुद्री सुरक्षा, तटरक्षक जहाजों का पुनर्निर्माण, हाइड्रोग्राफी समझौता और उपग्रह सहयोग, ये सभी कदम हिंद महासागर में भारत को एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर के रूप में स्थापित करते हैं। इसके अलावा, चीन की बढ़ती उपस्थिति को देखते हुए यह सहयोग भारत की नेबरहुड फ़र्स्ट और इंडो-पैसिफ़िक विज़न को ठोस आकार देता है।

साथ ही, भारत द्वारा घोषित 215 मिलियन डॉलर की ग्रांट और 440 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत अस्पताल, वेटरनरी स्कूल, एयरपोर्ट टॉवर और सड़क परियोजनाएँ शामिल हैं। यह सहायता नहीं, बल्कि साझा भविष्य में निवेश है। जन औषधि केंद्र, आयुष संस्थान और सौर ऊर्जा परियोजना जैसी पहलें भारत की हेल्थ डिप्लोमेसी और ग्रीन एनर्जी डिप्लोमेसी की पहचान बन रही हैं। वैश्विक संदर्भ में इस साझेदारी का महत्व देखें तो आपको बता दें कि भारतङ्कमॉरीशस साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है। यह ग्लोबल साउथ के छोटे द्वीप राष्ट्रों के लिए एक संदेश है कि भारत उनका विश्वसनीय साझेदार है। साथ ही यह अमेरिका, फ्रांस और चीन के प्रभाव वाले हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका को और केंद्रीय बनाता है। इसके अलावा, UPI और रुपे कार्ड के ज़रिये वित्तीय लेन-देन को स्थानीय मुद्राओं तक ले जाने का प्रयास वैश्विक आर्थिक ढांचे को चुनौती देने वाली पहल है।

भारत द्वारा घोषित 215 मिलियन डॉलर की ग्रांट और 440 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत अस्पताल, वेटरनरी स्कूल, एयरपोर्ट टॉवर और सड़क परियोजनाएँ शामिल हैं। यह सहायता नहीं, बल्कि साझा भविष्य में निवेश है।

देखा जाये तो काशी में हुई यह मुलाकात यह स्पष्ट करती है कि भारत और मॉरीशस का रिश्ता केवल कूटनीति का हिस्सा नहीं है। यह संस्कृति, रणनीति और साझा भविष्य तीनों ध्रुवों पर खड़ा है। यदि इसे निरंतरता और ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ाया गया, तो यह साझेदारी न केवल हिंद महासागर बल्कि पूरी दुनिया में भारत के कूटनीतिक कौशल और प्रवासी जुड़ाव की मिसाल बन सकती है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए जब वाराणसी पहुंचे तो उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे से प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे। यहां से ताज होटल के लिए निकले प्रधानमंत्री के काफिले का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं व आमजन ने शंखनाद, हर-हर महादेव के जयकारों के साथ पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। मार्ग में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए कलाकारों ने भी प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मोदी ने भी हाथ हिलाकर काशीवासियों का अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पूरे मार्ग को सजाया गया था। छह स्थानों पर भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मंच बनाकर प्रधानमंत्री पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की। कई महिला कार्यकर्ताओं को ''प्रधानमंत्री जिंदाबाद'' के नारे लगाते भी देखा गया। पुलिस लाइन से ताज होटल तक रोड शो जैसा नजरा देखा गया जहां सड़क के दोनों ओर बड़ी तादाद में खड़े काशीवासियों ने प्रधानमंत्री मोदी पर पुष्पवर्षा भी की। कचहरी, आंबेडकर चौराहा समेत कई स्थानों पर लोकनृत्य समेत अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जीएसटी में सुधार के बाद पहली बार वाराणसी पहुंचे प्रधानमत्री का आभार जताने के लिए मार्ग में जीएसटी और धन्यवाद लिखी तख्ती लेकर भाजपा कार्यकर्ता खड़े रहे। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में वाराणसी की सड़कों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पोस्टर लगाए।

हम आपको बता दें कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम बुधवार को वाराणसी पहुंचे थे जहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने उनका स्वागत किया था। वाराणसी का यह दौरा मॉरीशस के प्रधानमंत्री की नौ से 16 सितंबर तक की भारत यात्रा का हिस्सा है। रामगुलाम ने आज शाम गंगा आरती में भाग लिया और शुक्रवार सुबह वह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे की वाराणसी में मेजबानी की थी, लेकिन यह पहली बार है जब काशी में किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ औपचारिक वार्ता हो रही है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत में वाराणसी शहर को बड़े-बड़े होर्डिंग्स और बैनरों से सजाया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी का 2014 के बाद आज वाराणसी का 52वां दौरा था।

-नीरज कुमार दुबे

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन पर वजीफा दो

विज्ञान ने बहुत उन्नति कर स्वास्थ्य क्षेत्र में जहां काफी सुधार किया है, वहीं पर खिलाडियों के उपकरणों व प्ले फील्ड में भी काफी सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले बनाए गए कीर्तिमान आसानी से हर वर्ष टूटते रहते हैं। पहले जब खेल प्रतियोगिता होती थी तो आयोजक प्रतिभागियों को खाना व रहना देते थे। यात्रा किराया व दैनिक भत्ता सरकार खेल संघ दे देती थी, मगर अब यह सब खिलाडी को वहन करना पड़ता है। रेल में सीट आरक्षित करवाना भी बड़ी जंग जीतने से कम नहीं है। खिलाड़ी कम थके, इसलिए हवाई यात्रा भी करना जरूरी हो जाता है। खिलाडियों के प्रयोग में होने वाले जूते व किट बहुत महंगी आती हैं। एक प्रतियोगिता का खर्चा पचास हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सामान्य परिवार का बच्चा कैसे राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर पाएगा, कभी सोचा है? खेलों को राज्य सूची का विषय बना रखा है। केन्द्र व राज्य अपनी-अपनी सुविधा अनुसार जब चाहें, पला झाड़ लेता है। खिलाड़ी प्रदेश व देश के लिए गौरव लाता है, तो फिर सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं देती हैं। एथलेटिक्स, कुश्ती, मुक्केबाजी व अन्य कई खेल हैं जिनमें हिमाचल के स्टार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बढिया प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर खेल जारी रखने के लिए उन्हें काफी धन की जरूरत होती है। इसलिए अधिकतर खिलाड़ियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है।

मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमे एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्पिरिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा जाता है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को असानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं और जिस किशोर खिलाड़ी में स्परिंट जितनी अधिक होगी, वह उतना ही अच्छा किसी भी खेल का खिलाड़ी बनेगा। प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के दो दशक बाद अब मनीषा तथा प्रिया ठाकुर से उम्मीद है।

मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमे एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है।

आज फिर राज्य में कुश्ती व मुक्केबाजी सहित विभिन्न खेलों के खिलाड़ी हैं जिन्हें वजीफे की बहुत अधिक 2026 के लिए जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है। सामान्य परिवारों से इनका संबंध है और जो हिमाचल से पलायन कर गए हैं, उन्हें भी हिमाचल सरकार सम्मानजनक नौकरी दे तथा इन सभी एथलीटों को 2026 राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों तक वजीफा भी दे। इस स्तर पर अपना अभ्यास जारी रखने के लिए महीने में पचास हजार रुपए से अधिक चाहिए होते हैं। जो नौकरी में हैं, वो तो बहुत कठिनाई से अपने वेतन से प्रशिक्षण कार्यक्रम का खर्चा उठा लेते हैं, लेकिन अन्य जिनके पास संसाधन नहीं हैं, वे कैसे खर्चा वहन कर पाएंगे, यह हिमाचल सरकार को सोचना होगा। क्या प्रदेश सरकार कुछ उपकार इन प्रतिभाशाली एथलीटों पर करेगी ताकि वे फ्री माईंड होकर अपना प्रशिक्षण जारी रख सकें। खिलाड़ी बनाए नहीं जाते हैं, वे जन्म से ही अलग होते हैं। लाखों बच्चों में कोई एक प्रतिभाशाली एथलीट मिलता है। समाज व सरकार का दायित्व है कि वे भविष्य में देश को गौरव दिलाने वाले अति प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को गोद लेकर उन्हें वे सब सुविधाएं उपलब्ध करवाएं, जिनकी उन्हें आज अधिक जरूरत है। खेलों में और बेहतर होने की उम्मीद है।

-भूपिंद्र सिंह
अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष षष्ठी | (विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्य साथ देगा, लाभ के योग बन रहे हैं। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। कार्यों की विघ्न, बाधा खत्म होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच के पार करें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे लेकिन थोड़ा सा स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
संतान पक्ष से थोड़ा मन खिन्न रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी। मां के स्वास्थ्य में सुधार।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मित्रों में वृद्धि होगी। सबके साथ बहुत आनंददायक जीवन गुजारेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
पॉजिटिव का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा, प्रेम संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा रहेगा , लाभ के संकेत।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन परेशान रहेगा खर्च की अधिकता रहेगी। चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
नए-नए स्रोत बनेंगे आय के। पुराने स्रोत भी कायम रहेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम संतान का साथ है।

पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा की बैठक

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में जिला कार्यालय पर त्रिस्तरीय जिला पंचायत चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण विषय के संबंधित कार्यशाला संपन्न हुई कार्यक्रम का संचालन रमेश पांडेय ने किया।

इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि खादी ग्रामउद्योग आयोग के सदस्य जनपद भदोही के प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी उपस्थित रहे जिन्होंने बहुत ही मजबूती से त्रिस्तरीयौ जिला पंचायत चुनाव के संबंधित कार्यकर्ताओं को उत्साह वर्धन किया और चुनाव कैसे संपन्न हो उसका मंत्र दिया नागेंद्र रघुवंशी ने कहा पंचायत चुनाव 2021 के बाद जिले में नए नगर पंचायत नगर पालिका परिषद नगर निगम के सृजन और सीमा विस्तार से कई ग्राम पंचायत और राजस्व ग्राम सहरी क्षेत्र में आ गए शहरी क्षेत्र में शामिल ग्राम पंचायत को हटाने और बचे हुए राजस्व ग्रामो को नजदीकी ग्राम पंचायत में शामिल करने का कार्य होगा अभी प्रदेश में 57.691 ग्राम पंचायत 826 क्षेत्र पंचायत और 75 जिला पंचायत क्षेत्र है राज्य निर्वाचन आयोग पंचायतों की मतदाता सूचियां का पुनरीक्षण कार्यक्रम करने जा रहा है इसी संदर्भ में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और कहा जिस तरह से कार्य योजना संगठन के द्वारा बनाई गई है जनपद भदोही का संगठन मजबूती से कार्य करेगा और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में हिस्सा लेकर के चुनाव जीतने का काम किया जाएगा मैं पूर्ण रूप से संगठन को आपको आश्वासन देता हूं किसी भी तरह से हमारा संगठन हमारे कार्यकर्ता कहीं से भी असफल नहीं होंगे कार्यक्रम में उपस्थित जिला प्रभारी नागेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा वरिष्ठ भाजपा नेता नागेंद्र सिंह जिला महामंत्री रमेश पांडेय लालता प्रसाद सोनकर राजेंद्र दुबे सभी जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष सम्मानित मातृशक्ति व बहने उपस्थित रहे।

जन आंदोलन के रूप में मनेगा सेवा पखवाड़ा : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के

प्रथम जिला अध्यक्ष एवं भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री प्रणीत भाटी ने कहा है कि आगामी 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़ा को जनआंदोलन के रूप में मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम प्रारंभ होगा और उसके बाद 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा को जन आंदोलन के रूप में मनाने का काम करें उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान से लेकर कई अन्य कार्यक्रम आयोजित करेगी जिसमें सभी की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई ताकत देने को काम किया है। जो योगदान दिया है आज उस ताकत की सराहना पूरे विश्व के लोग कर रहे हैं।

आईआईए चैप्टर की मासिक गोष्ठी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन (आईआईए) ग्रेटर नोएडा चैप्टर द्वारा चैप्टर कार्यालय के सभाकक्ष में मासिक मंथन गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता चैप्टर अध्यक्ष सरबजीत सिंह ने की तथा संचालन हिमांशु पांडे ने किया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि विजय कुमार सिंह (असिस्टेंट कमिश्नर, केंद्रीय माल एवं सेवा कर विभाग) तथा आलोक चौधरी (असिस्टेंट डायरेक्टर, ईएसआईसी) अपनी टीम सहित उपस्थित रहे।

विजय कुमार सिंह ने CGST से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी और बताया कि प्रत्येक माह की 18 तारीख को CGST कार्यालय में उद्यमियों के साथ संवाद एवं समस्या-समाधान हेतु बैठक आयोजित की जाएगी। आलोक चौधरी ने ESIC की योजनाओं पर प्रकाश डाला। द्धद्ध टीम द्वारा उन्हें पत्र सौंपा गया, जिसमें उद्यमियों को एम्पैनल्ड हॉस्पिटल्स की सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

सेक्टर पी-4 की समस्याओं को लेकर ओएसडी गिरिश कुमार झा को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर पी-4 की समस्याओं को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी गिरिश कुमार झा को सैक्टर की समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

इस संबंध में सेक्टर निवासी एव किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने बताया की आज सेक्टर की मुख्य समस्या सड़कों के किनारे बडी बड़ी घास हो रही जिससे ज़हरीले कीड़े पनप रहे हैं सेक्टर में नालियों टूटी पड़ी हैं जगह जगह गदगी का अबार है आवारा कुतो से लोग परेशान हैं लगातार बारिश से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है सीवर ओवरफ्लो हो रहे सहित आदि समस्या को ओएसडी ने गंभीरता से निस्तारण करने के लिए निचले अधिकारियों को समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है जल्द ही समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर बीटा वन की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कल बीटा वन के गेट पर चौकी इंचार्ज नवी हुसैन एवं आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग हुई।

चौकी इंचार्ज नवी हुसैन ने आश्वासन दिया की सेक्टर बीटा वन की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष....

नोएडा में गंदगी....

विधायक ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शहर में गंदगी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

उन्होंने कहा कि नोएडा के निवासियों के सहयोग से ही आज नोएडा ने विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और सरकार नोएडा के नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनता की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति प्रदान की जाएगी।

जन संवाद में जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान, राकेश शर्मा, अमित त्यागी, करतार सिंह चौहान, रंजन सिंह, मोहनलाल शर्मा, गौतम शर्मा, राहुल शर्मा नीरज चौधरी, उमानंदन कौशिक, पंकज गुप्ता राकेश सिंह, प्रशांत कश्यप, राजीव उपाध्याय, सोनिया शेट्टी, ओमवीर बंसल, अभिषेक मित्तल, प्रवेश शर्मा, धर्मेंद्र चौहान,बबलू यादव, विपुल शर्मा अमित कुमार त्यागी, गोपाल गौड, आर डी शर्मा, जितेंद राजपूत, शिवम पाठक, भगत भाटी, कालू पंडित, आकाश चौहान, नोएडा प्राधिकरण से आर के शर्मा, अनिल सिंह, रोहित कुमार, प्रदीप साहू सहित सेक्टर के निवासी उपस्थित रहे।

कुत्तों के सहारे...

उन्होंने कहा कि मेनका कहां गांधी की बहन अंबिका शुक्ला तथा उनके कार्यकर्ता उनकी बैठकों का लगातार विरोध कर रहे हैं तथा हंगामा करवा रहे हैं। वे लोग नहीं चाहते कि कुत्तों के मुददों की आवाज प्रमुखता से उठाई जाए। प्रेस वार्ता के दौरान फोनरनवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा तथा डीवीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एनपी सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

नोएडा- ग्रेटर नोएडा....

इसके अलावा नोएडा के अन्य सडको् की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। 25 सितंबर को ही नोएडा के भंगेल एलिवेटेड और जंगल ट्रेल पार्क का शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। जिसमें जंगल ट्रेल एक्सप्रेस वे पर ही है। इसका काम पूरा हो चुका है। अंतिम फिनिशिंग की जा रही है। इसी तरह अगाहपुर से सेक्टर-110 तक भंगेल एलिवेटेड का निर्माण पूरा हो चुका है। इसका शुभारंभ किया जाएगा। हालांकि दोनों स्थानों पर सीएम जाएंगे या नहीं ये अभी तय नहीं हुआ है। फिलहाल सड़कों की मरम्मत का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

पार्किंग संचालन में...

उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर पार्किंग की गड़बड़ी को लेकर लगातार लोग शिकायत कर रहे थे। इन्हीं शिकायतों के मद्देनजर औचक निरीक्षण किया तो कई कमियां पाई गईं। उन्होंने पार्किंग ठेकेदारों को चेतावनी दी कि इन कमियों को दुरूस्त करें वर्ना उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बुलंदशहर से लाए.....

बाजारों में सप्लाई करने के लिए लाया जाया जा रहा था। बुलंदशहर से दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करने के लिए ले जाए जा रहे, 1150 किलो नकली पनीर को खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने पुलिस की सहयोग से देर रात छोटा टोल प्लाजा जेवर पर पकड़ा है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पनीर नकली ही नहीं दूषित और बदबूदार भी था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पनीर को जब्त कर लिया और मौके से मिले पनीर के नमूने को लैब जांच के लिए भेज दिया है, और बाकी बचे पनीर को बुलडोजर से गड्ढा खोदकर जमीन में गाड कर नष्ट कर दिया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार पनीर की सप्लाई करने वाले की पहचान लोकेश सिंह निवासी जहांगीरपुर जिला बुलंदशहर के रूप में हुई है. वह अपनी डेयरी से दिल्ली-एनसीआर में पनीर के सप्लाई करता है, पुलिस ने नकली पनीर ले जा रहे वाहन को भी जब्त किया है। अधिकारियों का कहना है कि मिलावटखोरों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हेयर कटिंग के....

तो उसके साथ भी मारपीट की गई। आरोपियों ने उसकी गर्भवती पत्नी को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। शोर सुनकर मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई इसके बाद आरोपी उसके गल्ले में रखे 4500 निकाल कर धमकी देते हुए फरार हो गए। इस दौरान किसी व्यक्ति ने पुलिस को फोन पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची जहां उसने थाना सेक्टर 39 में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इस घटना के बाद से आरोपी खुले घूम रहे हैं और उसे अपनी जान माल का खतरा है पीड़ित के मुताबिक उसने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात थाना सेक्टर 39 पुलिस को आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किए जाने के निर्देश दिए न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रोडरेज में दो ....

अरविंद पुत्र वेदपाल व संजू ने उसे साइड देने के लिए हॉर्न दिया पुल पर जगह कम होने के कारण वह साइड नहीं दे पाया। तीनों आरोपियों ने उसकी गाड़ी को ओवरटेक कर उसे रुकवा लिया और जबरन बाहर खींच लिया इसके बाद तीनों ने उसके साथ मारपीट की और लोहे की रॉड से उसके सर पर वार कर उसे घायल कर दिया। लहूलुहान करने के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल अवस्था में किसी तरह वह अपने घर पहुंचा और परिजनों को अस्पताल ले जाकर अपना उपचार कराया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

ग्राम चिटहेड़ा निवासी अनुराग भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 6 सितंबर की शाम को अपने घर से दादरी की तरफ आ रहा था। इस्लामिया मदरसा के सामने बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। बाइक सवार आसिफ व उसके साथी ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। इस दौरान तीन-चार अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसकी कार के शीशे भी तोड़ दिए इस घटना में उसके गले से सोने की दो तोले की चेन भी टूट कर कहीं गिर गई। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

मेरे लिए बार का सम्मान सर्वोपरी, मैंने भी बार से ही सीखा है ईमानदारी का पाठ- न्यायमूर्ति अजीत कुमार

ग्रेटर नोएडा। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के द्वारा शुक्रवार को बार सभागार में भव्य अभिनंदन समारोह का अयोजन किया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय इलाहबाद के माननीय न्यायमूर्ति एवं जिले के प्रशासनिक जज अजीत कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। वहीं जिला जज मलखान सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी ने उन्हें अधिवक्ताओं के लिए चैंबर समेत अन्य समस्याओं से अवगत कराया। जिसपर प्रशासनिक जज महोदय ने चैंबर निर्माण में हाईकोर्ट स्तर से हर संभव सहयोग का आश्वसन दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन बार के सचिव अजीत नागर के द्वारा किया गया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद भाटी ने बताया कि हाल ही में जिले के प्रशासनिक जज नियुक्त हुए माननीय न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने जिला न्यायालय का दौरा किया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन की ओर से उन्हें बार सभागार में आमंत्रित किया गया। जहां बार के सभी वरिष्ठ, युवाओं व महिला अधिवक्ताओं के द्वारा उनका भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं की 15 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन भी माननीय न्यायमूर्ति को सौंपा गया। इसमें सबसे प्रमुखता के साथ विनिमय के आधार पर चैंबरों हेतू भूमि प्रदान करने की मांग रखी गई। इसके अलावा कमर्शियल कोर्ट, लारा कोर्ट, सीबीआई कोर्ट व करपशन कोर्ट को भी जिला न्यायालय परिसर में लाने का अनुरोध किया गया। वहीं उपभोक्ता फोरम के लिए जिला न्यायालय परिसर से रास्ता खोले जाने व महिलाओं के लिए क्रेच की अनुमति प्रदान करने के लिए भी कहा गया।

जिस पर माननीय न्यायमूर्ति एवं जिले के प्रशासनिक अधिकारी अजीत कुमार ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं भी अधिवक्ता रहा हूं और बार की गरिमा को बखूभी समझता हूं। इसलिए मेरे लिए बार का सम्मान सर्वोपरी है। क्योंकि मैंने भी बार के अपने वरिष्ठजनों से ही न्याय में ईमानदारी का पाठ पढा है। एक अधिवक्ता को कोई भी कृत्य करने से पूर्व अपने कोट और बैंड के सम्मान के विषय में अवश्य सोचना चाहिए। क्योंकि बार और बैंच का सम्मान हमारी वेशभूषा कोट और बैंड से जुडी है। इसके अलावा उन्होंने उपभोक्ता फोर्म को जिला न्यायालय परिसर से जोडने के लिए तत्काल प्रभाव से रास्ता खोलने के आदेश दिए और महिला बार रूम और क्रेच के कार्य को भी आगे बढाने का भरोसा दिया। वहीं चैंबरों के लिए विनिमय के आधार पर भूमि आवंटन करने के लिए हाई कोर्ट स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इसी के साथ कमर्शियल कोर्ट, लारा कोर्ट व क्रपशन कोर्ट को भी सरकार की इंटिग्रेटिड कोर्ट कंपाउंड योजना के तहत शासन को प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र नागर, राजीव तौंगड, प्रमोद वर्मा, रामशरण नागर, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेमराज पथिक, ब्रहम सिंह नागर, जगदीश भाटी, राकेश वर्मा, राकेश गौतम, प्रदीप भारती, बलबीर सुमन, जगत पाल भाटी, पूर्व सचिव रेशराम चैधरी, अजीत भाटी, रविदत्त कौशिक, सुंदर भाटी, मुकेश कर्दम, प्रमोद शर्मा, श्याम सिंह भाटी, कपिल शर्मा, सतीश भाटी, नीरज भाटी, के के भाटी, सुशील शर्मा, विशाल नागर, परमानंद कौशिक, अमित भाटी, कृष्ण भाटी, प्रिंस भाटी, सचिन भाटी, हरीश बैसोया, मोहित भाटी, अरूण नागर, नीरज सुनपुरा, हेमंत राघव, ललित मावी, निशांत शर्मा, अंकुश शर्मा, शिवा त्यागी, रोहित ठाकुर, हर्ष शर्मा, निशांत मावी,अनिल गढ़ी, गंगेलाल यादव, अरविंद अंधेल, महेश गुप्ता, यशवीर नागर, मुज्जमिल खां, इंशाद अली, मनोज भाटी, रोहित भाटी, विपिन भाटी आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर साइबर ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। साइबर ठग लोगों को नए-नए तरीके से जाल में फंसाकर उनकी गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। साइबर ठग ने एक व्यक्ति को इन्वेस्टमेंट करने पर बेहतर मुनाफे का लालच देकर कुछ फाइलें उसके मोबाइल फोन पर भेज दी फाइल डाउनलोड करते ही पीड़ित के खाते से 145920 कट गए। पीड़ित ने थाना बिसरख में अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्जकराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील हाईनेस टावर वन में रहने वाले कमल यादव ने बताया कि 3 अगस्त की रात्रि को उसके मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति की कॉल आई। उक्त व्यक्ति ने बताया कि उसके पास यूएसडीटी में इन्वेस्ट करने का एक अच्छा प्लॉन है। इस प्लान में वह अगर इन्वेस्टमेंट करेगा तो उसे बेहतर मुनाफा होगा। उसने प्लॉन से संबंधित कई स्क्रीनशॉट व फाइल उसके मोबाइल पर सेंड कर दी कमल यादव के मुताबिक उसने जैसे ही फाइल को डाउनलोड किया तो उसके अकाउंट से दो बार में 145920 कट गए। बैंक से पैसे कटने का मैसेज आने पर उसने उक्त नंबर पर बात करने का प्रयास किया लेकिन वह स्विच ऑफ मिला।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि
1.	82245004	आपातकालीन चिकित्सा बक्से	328 नग	06.10.2025

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। टेंडर नोटिस सं. टेबलेट/इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 12.09.2025 2793/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या : NER-BSB0SnT-OT-22-2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/ पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली ई-निविदा" आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक : 1, **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम : NER-BSB0SnT-OT-22-2025 : कार्य का नाम :** व.म.सि.दू.इ-I/वाराणसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुराने सिगनलिंग और खराब हो चुके एसेट्स (ईपीएम ग्राउंड कनेक्शन, आईपीएस बैटरी सेट, ट्रैक बैटरी और अन्य विविध वस्तुएँ) के बदलाव साथ-साथ टेक्निकल एडवाइजरी नोट के अनुसार प्रत्येक बीपीएसी यूनिट के लिए पृथक पावर सप्लाई अरेंजमेंट के प्रावधान का कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 1,13,03,566.35, **बयाना की राशि :** रु. 2,06,500.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत :** रु. 00.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 08 माह, **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय :** 06.10.2025 को 15:00 बजे।

1. ई-निविदा दिनांक 06.10.2025 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा किया जा सकेगा। **2.** पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिगनल-53 पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

लोकतंत्र में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस जनता का विश्वास मजबूत करते हैं: लोकसभा अध्यक्ष

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के विधान सौध की ऐतिहासिक सीढ़ियों पर आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ/ कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन भारत क्षेत्र सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास तभी मज़बूत होगा जब संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस की परंपरा को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद की संस्कृति हजारों वर्षों से हमारी परंपरा का हिस्सा रही है, जिसे हमारे संविधान ने और अधिक मज़बूती प्रदान की। उन्होंने संविधान सभा की बहसों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हर शब्द और अनुच्छेद पर गहन चर्चा हुई थी, उसी कारण हमारा संविधान समावेशी और दूरदर्शी बन सका। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत और सबसे जीवंत संविधान; ÷भारत का संविधान÷ है। हमारे संविधान निर्माताओं के प्रयासों से भारत अनेक विविधताओं के बावजूद एकजुट है।

लोक सभा अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सदन में अपने आचरण से गरिमा और मर्यादा बनाए रखें। हंगामे, गतिरोध और बार-बार स्थगन से लोकतंत्र को केवल आघात पहुँचता है और जनता का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सभी दलों को इस पर आत्ममंथन करना चाहिए कि बहस और संवाद से ही समाधान निकलता है। विधानमंडलों में सत्रों की घटती संख्या, चर्चा का सीमित समय और लगातार व्यवधान पर चिंता व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें अपनी बहस की संस्कृति को और सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की जनता हमसे शोर नहीं, समाधान चाहती है। यदि हमारी बहस रचनात्मक होगी तो हमारे कानून बेहतर होंगे, हमारे कानून बेहतर होंगे तो शासन सशक्त होगा, और यदि शासन सशक्त होगा तो जनता का विश्वास अटूट रहेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) लगभग 180 राष्ट्रमंडल सांसदों/विधान मंडलों का एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सीपीए भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। भारत सीपीए का 9वां क्षेत्र है, तथा देश के सभी 31 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखाएं भारत क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं। कर्नाटक, बेंगलुरू में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन का मुख्य विषय ÷विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा - जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम÷ रखा गया है।

इस अवसर पर कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैय्या, कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, तथा सीपीए इंडिया रीजन की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया। कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया और सीपीए कर्नाटक शाखा के सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तानी गाना बजाने से विवाद

जूनागढ़ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज गुजरात दौरे पर हैं। आज राहुल गांधी जूनागढ़ के भवनाथ में आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने पहुंचे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा, भरतसिंह सोलंकी, तुषार चौधरी समेत अन्य नेताओं और बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया। हालाँकि, इस दौरान एक गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तानी गाना बजाने से विवाद पैदा हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जूनागढ़ में भव्य स्वागत किया गया। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा के अलावा भरतसिंह सोलंकी, तुषार चौधरी समेत नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। राहुल गांधी जब भवनाथ में आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने जा रहे थे, तो उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर मौजूद थे। हालाँकि, इस दौरान डीजे पर एक पाकिस्तानी गाना बज रहा था। राहुल गांधी के स्वागत में डीजे द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों के लिए बनाया गया गाना जीत की लगन बजाने पर अब विवाद बढ़ गया है। कुछ लोग यह भी चर्चा कर रहे हैं कि क्या जूनागढ़ में राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तान के लिए प्रेम था। इस घटना से भाजपा नेताओं को राहुल गांधी पर हमला करने का एक और मौका मिल गया है। हांलाकि जूनागढ़ में जब राहुल गांधी का काफिला आगे बढ़ रहा था, तब पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी आप आगे बढ़ो के नारे भी लगाए।

सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए हैं, जिससे इस एक हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किया गया है। नए नियमों के तहत, सुप्रीम कोर्ट परिसर में कई गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। हाई सिक्योरिटी ज़ोन में मोबाइल फोन का उपयोग करके तस्वीरें खींचने या वीडियो बनाने पर पूरी तरह से रोक है। इसके अलावा, आधिकारिक उपयोग को छोड़कर, कैमरा, ट्राइपॉड और सेल्फी स्टिक जैसे उपकरणों का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं परिसर के अंदर रील्स या इसी तरह के वीडियो बनाने पर भी प्रतिबंध है। यदि कोई पत्रकार इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है, तब उस पत्रकार को एक महीने के लिए हाई सिक्योरिटी ज़ोन में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। अगर इनमें से कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है, तब संबंधित बार एसोसिएशन या राज्य बार काउंसिल अपने नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकती है। अन्य कर्मचारियों या व्यक्तियों द्वारा नियमों के उल्लंघन पर उनके विभागाध्यक्ष द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों को यह अधिकार दिया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी या वकील को हाई सिक्योरिटी ज़ोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोक सकते हैं।

बहराइच में फिर भेड़िए का आतंक : मां के साथ सो रही 3 माह की मासूम को उठा ले गया

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में एक बार फिर भेड़िए का आतंक शुरु हो गया है। यहां एक हफ्ते में दो घटनाएं डराने वाली हुई हैं। बीती रात एक जंगली जानवर मां के साथ सो रही तीन महीने की मासूम बच्ची को उठा ले गया। सुबह ग्रामीणों को गन्ने के खेत में बच्ची के शव के अवशेष मिले। यह घटना जिले के महसी तहसील के बहोरवा गांव की है। बता दें कि यह घटना उस इलाके में हुई, जहां दो दिन पहले एक सात साल की बच्ची भी भेड़िए का शिकार बन चुकी है। लगातार हो रहे इन हमलों से क्षेत्र में भय का माहौल है।

शिकायत करने से नाराज डीएमके नेता ने व्यक्ति को कार से कुचला, गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके के एक नेता को एक व्यक्ति को अपनी कार से कुचलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम विनयगम पलानीस्वामी बताया जा रहा है। वह तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में पंचायत अध्यक्ष हैं। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम भी पलानीस्वामी ही है। जब वह अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी विनयगम ने उसे अपनी एसयूवी कार से कुचल दिया। शुरुआत में इसे हिट एंड रन का मामला माना जा रहा था, क्योंकि डीएमके नेता उस समय नशे में थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित परिवार को इसमें गड़बड़ी की आशंका जताई। बताया गया कि मृतक के पंचायत प्रमुख के साथ मतभेद थे। इसके बाद मामले को हत्या की जांच में बदला गया और पुलिस ने आरोपी पर शिकंजा कसा। पुलिस के मुताबिक मृतक ने एक निजी सड़क पंचायत को न सौंपे जाने की शिकायत की थी। इससे ही आरोपी भड़क गया था। मृतक पलानीस्वामी ने आरोपी विनयगम सामने कई और मुद्दे भी उठाए थे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बीते कुछ वक्त से तमिलनाडु में विपक्ष डीएमके की सरकार पर अपराध बढ़ने और कानून-व्यवस्था में गिरावट का आरोप लगा रहा है। हालांकि डीएमके ने राज्य में सबसे कम अपराध का दावा किया है।

350 साल पुराने मंदिर से चांदी के खड़ाऊं चोरी कर ले गई महिला

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 350 साल पुराने दादी महाराज मंदिर में महिला ने चांदी के खड़ाऊं चोरी किए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक महिला बेहद शातिर अंदाज में मंदिर में घुसकर खड़ाऊं लेकर फरार हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना फुलेरा गांव की है। यहां सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, तब उन्होंने देखा कि भगवान के चरणों में रखीं चांदी की खड़ाऊं गायब हैं। पहले सभी को लगा कि खड़ाऊं किसी ने पूजा के लिए हटाई होंगी, लेकिन जब खोजबीन के बाद भी नहीं मिलीं।

स्पाइसजेट विमान का पहिया उड़ान भरते ही गिरा, मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। स्पाइसजेट की कांडला-मुंबई उड़ान ने शुक्रवार को यात्रियों की सांसें रोक देने वाली स्थिति पैदा कर दी। दरअसल उड़ान भरते ही विमान का आगे का एक बाहरी पहिया रनवे पर गिर गया, जिसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर आपातकालीन अलर्ट घोषित किया गया। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से विमान सुरक्षित उतरा और सभी यात्री सकुशल विमान से उतार लिए गए। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि 12 सितंबर को कांडला से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला स्पाइसजेट का कयू400 विमान पूरी तरह सुरक्षित मुंबई में उतरा। विमान ने अपनी यात्रा जारी रखी और सुचारू रूप से लैंडिंग की। सभी यात्री सामान्य रूप से उतर गए। जानकारी के अनुसार, कांडला एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने उड़ान भरने के तुरंत बाद रनवे पर विमान से कुछ गिरते देखा। संदेह होने पर एटीसी ने तुरंत पायलट को सूचित किया और रनवे पर गिरी वस्तु को लाने के लिए टीम भेजी। बाद में रनवे से विमान का पहिया और धातु का एक हिस्सा बरामद किया गया। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले दमकल और बचाव दल को हाई अलर्ट पर रखा गया था। विमान शाम करीब 4 बजे सुरक्षित उतरा। मुंबई एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया, गंभीर खतरे की स्थिति के बावजूद विमान अपने तय कार्यक्रम के तहत टर्मिनल तक पहुंचा और सभी यात्री सुरक्षित बाहर आ गए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक पूर्व अधिकारी ने इस घटना को गंभीर करार देते हुए कहा, कि विमान के पहिए का उड़ान भरते समय उखड़ना बड़ा खतरा है। सौभाग्य से, पहिए का एक हिस्सा जुड़ा रहा, अन्यथा स्थिति भयावह हो सकती थी। इस घटना के बाद डीजीसीए ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए। अधिकारियों का कहना है कि स्पाइसजेट को अपनी विमानन सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांच को और कड़ा करना होगा।

देश में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल तरीके से होगी, लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2027 में होने जा रही देश की जनगणना बेहद खास अंदाज में होने वाली है। ये जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी और भवन तथा इमारतों की जियोटैगिंग भी की जाएगी। यह प्रक्रिया कई मायनों में खास रहने वाली है। लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। 1931 के बाद पहली बार अलग-अलग जातियों की गिनती भी होगी। साथ ही, पूरे देश में इमारतों का जियोटैग किया जाएगा जो पहले कभी जनगणना में नहीं हुआ। चलिए जानते हैं कि जियोटैगिंग क्या है और कैसे कराई जाती है।

जियोटैगिंग का काम जनगणना के पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग ऑपरेशंस (एचएलओ) के दौरान होता है। अप्रैल-सितंबर 2026 में यह शुरू हो जाएगा। गणना करने वाले कर्मचारी अपने तय किए गए हाउसलिस्टिंग ब्लॉक में जाएंगे और हर इमारत को डिजिटल लेआउट मैपिंग के जरिए जियोटैग करेंगे। वे अपने स्मार्टफोन पर लोकेशन ऑन करके मोबाइल ऐप के जरिए इमारत की जानकारी दर्ज करेंगे। इस दौरान हर इमारत में मौजूद घरों और परिवारों की संख्या की जानकारी ली जाएगी। इमारतों को रहने वाली, गैर-रिहाइश, आंशिक

रूप से रहने वाली या लैंडमार्क जैसी श्रेणियों में बांटा जाएगा। जनगणना में परिवार का मतलब है वो लोग जो आमतौर पर एक साथ रहते हैं। वे एक ही रसोई से खाना खाते हैं, भले ही काम की वजह से कोई बाहर रहे। जियोटैगिंग के जरिए किसी इमारत की लोकेशन को अक्षांश और देशांतर के जरिए डिजिटल नक्शे (जीआईएस) पर मार्क करना होता है। जीआईएस यानी जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम ऐसा कंप्यूटर सिस्टम है जो धरती की सतह पर किसी जगह की जानकारी को कैप्चर करता है, उसकी जांच करता है और दिखाता है। जियोटैगिंग से हर इमारत को एक यूनिक लोकेशनल आइडेंटिटी मिलती है, जिसे आसानी से पिनपॉइंट किया जा सकता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में 33.08 करोड़ इमारतें थीं जिनमें 30.61 करोड़ में लोग रहते थे और 2.46 करोड़ खाली थीं। इनमें से 22.07 करोड़ ग्रामीण इलाकों में और 11.01 करोड़ शहरी इलाकों में थीं।

क्या हाई-प्रोफाइल भगोड़ों की होने जा रही घर वापसी? भारत क्यों दे रहा जेलों में सुविधाओं का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और फरार कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश तेज हो गई है। इस कड़ी में केंद्र सरकार ने बेल्जियम प्रशासन को पत्र लिखकर आश्वासन दिया है कि प्रत्यर्पण के बाद चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा, जहां उसे साफ बिस्तर, संतुलित भोजन, व्यायाम और मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी।

दरअसल, बेल्जियम और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन आरोपी के मानवाधिकारों की गारंटी देना अनिवार्य शर्त है। इसी वजह से भारत को बार-बार जेलों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तृत रिपोर्ट देनी पड़ रही है। इससे पहले विजय माल्या और हथियार व्यापारी संजय भंडारी जैसे मामलों में भी भारत सरकार ने ब्रिटेन को भरोसा दिलाया था कि आरोपियों को सुरक्षित और मानवीय माहौल मिलेगा। गौरतलब है कि कई भगोड़े कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए विदेशी अदालतों में यही दलील देते हैं कि भारत की जेलें असुरक्षित हैं, वहां हिंसा और मानवाधिकार हनन का खतरा है। यूरोपीय देशों और ब्रिटेन की अदालतें इस तर्क को गंभीरता से लेती हैं। यूरोपियन कन्वेंशन ऑन ह्यूमन राइट्स साफ कहता है कि किसी आरोपी को ऐसे देश में नहीं भेजा जा सकता जहां उसे अमानवीय व्यवहार या जान का खतरा हो। यही कारण है कि प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अक्सर लंबी और जटिल हो जाती है।

एक जांच रिपोर्ट के अनुसार, 2002 से अब तक भारत 66 भगोड़ों को अलग-अलग देशों से वापस लाने में सफल रहा है। इनमें सबसे अधिक प्रत्यर्पण यूएई और अमेरिका से हुए हैं, जबकि यूके से केवल एक आरोपी ही लौटाया जा सका है। यही वजह है कि ब्रिटेन और यूरोपीय देशों की अदालतों को संतुष्ट करने के लिए भारत बार-बार सुरक्षा और जेल सुधारों का हवाला देता है। जुलाई में ब्रिटिश क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस की एक टीम ने दिल्ली की तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया था। टीम ने हाई सिक्योरिटी वार्ड और निगरानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। माना जा रहा है कि यह दौरा विजय माल्या, नीरव मोदी और संजय भंडारी जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर हुआ था।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि प्रत्यर्पण संधि होने के बावजूद हर देश अपने यहां रहने वाले व्यक्ति की सुरक्षा और अधिकारों को सर्वोपरि मानता है। आरोपी को लौटाने से इनकार भी किया जा सकता है, अगर यह साबित हो जाए कि उसके साथ दुर्व्यवहार या राजनीतिक

प्रतिशोध की आशंका है। भारत सरकार के लिए अब चुनौती है कि वह विदेशी अदालतों को यह भरोसा दिला सके कि यहां की जेलों में मानवीय गरिमा, सुरक्षा और निष्पक्ष सुनवाई की पूरी गारंटी है। तभी चोकसी समेत अन्य भगोड़े आर्थिक अपराधियों की घर वापसी संभव हो पाएगी।

जब सुप्रीम कोर्ट में होने लग गई पड़ोसी देशों के हालात की चर्चा... नेपाल में क्या हो रहा है, बांग्लादेश में क्या हुआ..

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक चुनावी याचिका पर सुनवाई के दौरान पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश का ज़िक्र हुआ। मामला एक ऐसे उम्मीदवार से जुड़ा था, जिसके पास भारत के साथ-साथ नेपाल की नागरिकता होने का दावा किया गया। इसी संदर्भ में अदालत ने नागरिकता और संवैधानिक स्थिरता के महत्व पर टिप्पणी की।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कि आजकल नेपाल भी नहीं जा सकते। यह टिप्पणी नेपाल में चल रहे राजनीतिक संकट और हालिया अशांति की ओर इशारा थी। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मौजूदा हालातों को लेकर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान कहा था कि भारत को अपने संविधान पर गर्व है। उन्होंने कहा, पड़ोसी देश नेपाल में क्या हो रहा है, सबको पता है। वहीं जस्टिस विक्रम नाथ ने भी इस क्रम में बांग्लादेश का उदाहरण दिया और कहा, बांग्लादेश में क्या हुआ, यह भी सब जानते हैं।

इन टिप्पणियों से स्पष्ट है कि अदालत केवल कानूनी पहलुओं पर ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों के हालात खासतौर पर राजनीतिक अस्थिरता और उनके लोकतांत्रिक ढांचे पर भी नजर बनाए हुए है। न्यायाधीशों ने अप्रत्यक्ष रूप से यह रेखांकित किया कि भारत का लोकतंत्र और संविधान अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल है।

स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के लोगों को मिलना चाहिए... सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक नहीं

–सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या बन गई है, जो केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई अन्य शहरों को भी प्रभावित करती है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के लोगों को मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर सुनवाई करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रदूषण नियंत्रण नीति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तब यह अधिकार देश के अन्य शहरों के नागरिकों को भी मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्वच्छ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह पूरे देश के हर नागरिक का अधिकार है।

उन्होंने अपने अनुभव का उदाहरण देकर कहा कि अमृतसर में भी प्रदूषण दिल्ली से बदतर था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तब यह पूरे देश में लागू होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट फिलहाल उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, भंडारण और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को बदलने की मांग की गई है। कोर्ट ने इस मामले पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत, कई शहरों ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण में इंदौर, अमरावती और देवास शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहर बनकर उभरे हैं। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में, इंदौर पहले स्थान पर रहा, जिसके बाद जबलपुर और संयुक्त रूप से आगरा और सूरत तीसरे स्थान पर रहे।

मोदी सरकार अगले साल से शहरों के वार्डों का भी वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों के लिए मूल्यांकन करेगी, जिसके लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। यह दिखाता है कि वायु प्रदूषण की समस्या को हल करने के लिए सरकार और न्यायपालिका दोनों ही पूरे देश में सामूहिक प्रयास पर जोर दे रहे हैं।

कंगना के वकील को फटकारते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा... हमारा मुंह मत खुलवाइये

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को झटका देकर उनकी उस याचिका पर विचार करने से इंकार किया, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन में भाग लेने वाली महिला के बारे में उनके विवादास्पद ट्वीट के कारण उनके खिलाफ दर्ज मानहानि के मामले को रद्द करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कंगना के वकील पर तल्ख टिप्पणी कर कहा कि आपका ट्वीट कोई साधारण रिट्वीट नहीं था बल्कि आपने उसमें मसाला डाला था।

पीठ ने वकील से पूछा, अपनी टिप्पणियों के बारे में आप क्या कहते हैं? आपने इसमें मसाला डाल दिया। यह कोई साधारण रीट्वीट नहीं था। इस पर वकील ने पीठ से कहा, शिकायत दर्ज कराने से पहले ही उनका स्पष्टीकरण आ चुका था और वह मौजूद है लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया।

कंगना के वकील के तर्क पर पीठ के जज उखड़ गए। उन्होंने कहा, आपने ट्वीट में मसाला डाला, अब आप अपने ट्वीट पर टिप्पणी करने के लिए हमें नहीं उकसाइए। इस पर हमारा मुंह मत खुलवाइए। आप इस वापस लें। क्या आप वापस लेना चाहते हैं? सबूतों की अस्वीकार्यता के कारण आपकी शिकायत खारिज की जा सकती है। इसके बाद भाजपा सांसद कंगना के वकील ने याचिका वापस ले ली।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कंगना के वकील ने दलील दी कि उन्होंने कौर के बारे में नहीं, बल्कि शाहीन बाग के एक प्रदर्शनकारी के बारे में बात की थी। वकील ने कहा, यह मामला रीट्वीट से जुड़ा है। मूल ट्वीट को ही अन्य लोगों ने कई बार रीट्वीट किया था। उन्होंने बिलकिस बानो या शाहीन बाग वाली दादी के बारे में बात की थी, न कि प्रतिवादी के बारे में। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री ने एक स्पष्टीकरण भी जारी किया था, लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया लेकिन पीठ इससे सहमत नहीं हुई और पीठ ने रनौत के याचिका मंजूर करने से इंकार कर दिया।

सफ्रान-डीआरडीओ के बीच स्टील्थ फाइटर जेट इंजन डील को मिल सकती है हरी झंडी

–दो सालों से चल रही है चर्चा, अब सरकार इसको लेकर हुई सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट में फ्रांस के साथ जो बात चल रही है, उसमें प्रगति होने की खबर सामने आई है। फ्रांस की जेट इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान एसए और डीआरडीओ के गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट के ज्वाइंट प्रोजेक्ट को मंजूरी के इंतजार के बीच यह जानकारी सामने आई है कि यह इंजन पूरी तरह से भारत में ही बनने वाला है। मतलब, अमेरिकी कंपनी जीई से जो काम नहीं हो पाया, उसके लिए फ्रांस की कंपनी पूरी तरह से तैयार हो गई है।

बता दें 15 अगस्त को पीएम मोदी ने लाल किले से स्वदेशी जेट इंजन के विकास का आह्वान किया था। उसके बाद फ्रांस से जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं, उससे यही अनुमान लगाया जा रहा है कि वह भारत से दोस्ती निभाने के लिए बड़ा कदम उठाने को तैयार है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी स्वदेशी फाइटर जेट के लिए अपने ही देश में इंजन बनाने की बात पर जोर दे चुके हैं। एचटी ने अब एक रिपोर्ट पेश की है, जिसके मुताबिक सफ्रान-जीटीआरई 12 साल में फाइटर जेट इंजन के 9 प्रोटोटाइप विकसित करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शुरू में सफ्रान और जीटीआरई मिलकर 120 केएन पावर क्षमता के जेट इंजन बनाएंगे और शुरुआत से 12 साल के अंदर इसकी क्षमता बढ़ाकर 140 केएन पावर तक ले जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक यह इंजन भारत में ही बनेंगे और इसके लिए सफ्रान, डीआरडीओ को 100 फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करेगी। इस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी भी शामिल होगी। वैसे डीआरडीओ के पास क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी है, लेकिन पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। खास बात यह है कि इस तरह से भारत में जो फाइटर जेट का इंजन बनेंगे उसका बौद्धिक संपदा अधिकार भारत के पास ही रहेगा।

सफ्रान और डीआरडीओ के बीच स्टील्थ फाइटर जेट इंजन को लेकर इस तरह की डील की चर्चा पिछले दो सालों से चल रही है, लेकिन अब सरकार इसको लेकर सक्रिय हो गई है और जल्द ही इसे हरी झंडी मिल सकती है। एएमसीए एक मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट होगा, जिसमें दो इंजन होंगे, जिसके लिए 120-140 केएन इंजन बनाए जाने हैं। एएमसीए का विकास और निर्माण निजी क्षेत्र की कंपनियां करेंगी, जिसमें योगदान देने के लिए टाटा ग्रुप, लार्सन एंड टूब्रो और अडानी डिफेंस तैयार हैं।

बता दें आज की तारीख में चीन के पास भी अपने अत्याधुनिक फाइटर जेट के लिए अपना इंजन नहीं है। वह रूसी या रिवर्स इंजीनियर्ड इंजनों के भरोसे काम कर रहा है। सिर्फ अमेरिका, रूस, यूके और फ्रांस ने ही यह क्षमता हासिल की है। ऐसे में भारत में इस तरह का इंजन निर्माण चीन को चिढ़ा सकता है। हालांकि भारत अपनी कावेरी इंजन पर कई दशक पहले काम शुरू कर चुका है, लेकिन अभी तक इसे पूरी कामयाबी नहीं मिल सकी है।

महामुकाबले से पहले 'प्रोजेक्ट सैमसन' का खुलासा अश्विन ने गंभीर-सूर्या के बड़े दांव पर से हटाया पर्दा

दुबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को एशिया कप 2025 के पहले मैच में बड़ा मौका मिला। बुधवार को भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें यूएई के खिलाफ प्लेइंग-11 में शामिल कर बड़ा संकेत दिया कि सैमसन पर उनका भरोसा मजबूत है। अब इस पर रविचंद्रन अश्विन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले से चौंक गए।

लंबे समय से टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर रहे टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं, जिससे यह कयास लगाए जा रहे थे कि क्या सैमसन को मौका मिलेगा? लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट से पहले साफ कर दिया कि टीम सैमसन का खास ख्याल रख रही है।

मिडिल ऑर्डर में मिली जगह

गिल की गैरमौजूदगी में सैमसन हाल के मैचों में अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग कर रहे थे। हालांकि, यूएई के खिलाफ पहले मुकाबले में उन्हें मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करने भेजा गया। यह टीम रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, ताकि पारी को स्थिरता दी जा सके। यह कदम टीम मैनेजमेंट के सैमसन पर विश्वास को दर्शाता है।

आर अश्विन का विश्लेषण

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब शो 'ऐश की बात' में इस फैसले की तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं, लेकिन बेहद खुश भी हूं कि सैमसन को इतना बैकिंग मिल रहा है। कोच और कप्तान का उन पर विश्वास गजब का है। सूर्यकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि- 'हम उनका ख्याल रख रहे हैं' और यह साफ दिख रहा है। अगर सैमसन खेल रहे हैं तो उन्हें पावरप्ले में बड़ा रोल निभाना होगा। अगर शुरुआती विकेट गिरता है तो सैमसन को तुरंत भेजना चाहिए।

'प्रोजेक्ट संजू सैमसन' का खुलासा

अश्विन ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि संजू सैमसन ने खुद उन्हें अपने और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच हुई बातचीत के बारे में बताया। अश्विन ने कहा, 'संजू ने मुझसे इंटरव्यू में कहा कि गंभीर ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि अगर वह लगातार 21 बार भी शून्य पर आउट हों, तब भी उन्हें 22वें मैच में मौका मिलेगा। यही है 'प्रोजेक्ट संजू सैमसन'। यह दिखाता है कि टीम मैनेजमेंट उन पर कितना भरोसा करता है।'

टीम मैनेजमेंट का विश्वास

इस तरह का भरोसा भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। आमतौर पर खिलाड़ी को लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बाहर कर दिया जाता है, लेकिन इस बार टीम मैनेजमेंट ने साफ कर दिया है कि वह सैमसन के साथ लंबी पारी खेलना चाहते हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव सैमसन को टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं।

आने वाले मैचों में बड़ी भूमिका

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप के हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले इस तरह का भरोसा सैमसन के आत्मविश्वास को और बढ़ा देगा। अगर उन्हें लगातार मौके मिलते हैं, तो वह अपनी काबिलियत से टीम को बड़ी जीत दिला सकते हैं। भारतीय टीम के लिए यह रणनीति आने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी का भी हिस्सा मानी जा रही है। अगले साल टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में होना है।

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार : खेल मंत्री

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा।

मांडविया ने कहा, 'भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।'

बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, 'हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो। इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।'

खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।'

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें।

उन्होंने कहा, 'पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं।' मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है ।

उन्होंने कहा, 'हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिए।' खेलमंत्री ने कहा, 'इसके लिए खेलों को जन आंदोलन में बदलना होगा। हमें खेलों से जुड़े हर हितधारक को साथ लेकर आगे बढना है और यह एक सामूहिक मिशन होना चाहिए जिससे हर नागरिक जुड़ा हो और भारत में खेलों की प्रगति में योगदान दे सके।'

सात्विक-चिराग की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन जारी हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में बनाई जगह

हांगकांग,13 सितंबर (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने शुक्रवार को मलयेशिया के आरिफ जुनैदी और रॉय किंग याप की जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-16 से हराया। भारतीय जोड़ी ने इश दौरान बेहतर तालमेल का नमूना पेश किया और मलयेशियाई जोड़ी को 64 मिनट में ही परास्त कर दिया।

धीमी शुरुआत के बाद किया बेहतर प्रदर्शन

सात्विक और चिराग की आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की, लेकिन एक बार जब स्कोर 12-12 हो गया तो उन्होंने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और लगातार पांच अंक बना कर पहला गेम जीता। मलयेशियाई खिलाड़ियों ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल करके अच्छी वापसी की। उन्होंने स्कोर 6-6 से बराबर किया और इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। लेकिन सात्विक और चिराग ने अच्छी वापसी करके स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया। आरिफ-याप की जोड़ी ने हालांकि अगले दो अंक बनाकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने बेहतर खेल दिखाया और मलयेशिया की जोड़ी को एक बार भी बढ़त हासिल नहीं करने दी और मैच अपने नाम किया। सात्विक और चिराग ने गुरुवार को थाईलैंड के पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की थी।

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन

निंगबो (चीन), 13 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। मेहुली ने क्वालीफिकेशन राउंड में 583 अंक बनाकर 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी 66 निशानेबाजों के बीच 580 अंक के साथ 45वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में भाग ले रही तीसरी भारतीय निशानेबाज सुरभि भारद्वाज 578 अंक के साथ 52वें स्थान पर रहीं। बाकू विश्व चैम्पियनशिप 2023 में 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीतने वाली मेहुली ने नीलिंग पोज़िशन में 98 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगली सीरीज़ में वह 96 अंक ही बना पाई जिससे उनका कुल स्कोर 194 रहा। उन्होंने प्रोन पोज़िशन में शानदार वापसी की और 99 तथा 97 का स्कोर करते हुए कुल 196 का स्कोर बनाया, लेकिन स्टैंडिंग पोज़िशन में उन्होंने 95 अंक बनाकर खराब शुरुआत की। अगले 10 शॉट में 98 का स्कोर करने से भी कोई मदद नहीं मिली और वह स्टैंडिंग पोजिशन में केवल 193 का स्कोर ही बना सकीं।

मैं फिर आ रहा हूं : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा मैदान पर वापसी के लिए बेताब हैं। गुरुवार को हिटमैन ने सोशल मीडिया पर नेट्स का वीडियो साझा किया, जिसमें वह जमकर बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिख रहे हैं। बता दें कि, दाएं हाथ के बल्लेबाज अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। उनके साथ विराट कोहली की भी मैदान पर वापसी होगी।

'मैं आ रहा हूं'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी के लिए रोहित शर्मा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में हिटमैन के वनडे से संन्यास को लेकर दावा किया गया था, जिन्हें अब रोहित ने खारिज कर

दिया है। उन्होंने जो वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है, इसमें उन्हें कहते सुना गया, 'मैं फिर से आ रहा हूं। यहां मुझे अच्छा लग रहा है।' बता दें कि, भारतीय वनडे टीम के मौजूदा कप्तान ने इस साल टेस्ट क्रिकेट और 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 212 का हाईएस्ट स्कोर शामिल है। अब उनका पूरा ध्यान वनडे क्रिकेट पर है। उनकी वापसी का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजर

रोहित की वापसी अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से हो सकती है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

भारत-पाक मैच से पहले शाहिद अफरीदी का जहरीला बयान

दुबई,13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ जहर उगलने से पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी बाज नहीं आ रहे हैं. एक बार फिर एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच से पहले अफरीदी का एक विवादित बयान वायरल हो रहा है. अफरीदी एक वायरल वीडियो में कहते हुए दिख रहे हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है.

भारत बनाम पाकिस्तान मैच के बहिष्कार की मांग उठ रही थी क्योंकि पहलगाम हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े थे, जिसमें आतंकवादियों ने 26 भारतीय लोगों को मारा था. इसके बाद भी शाहिद अफरीदी ने भारत के खिलाफ जहर उगला था. और अब जब भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने में कुछ दिन बचे हैं, एक बार फिर उन्होंने ऐसा ही जहरीला बयान दिया है.

अफरीदी ने ये बातें पाकिस्तान के मीडिया चैनल पर कहीं, जिसका एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें वह अनर्गल बातें करते हुए कह रहे हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है. वह यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि कुछ खिलाड़ी तो जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं और अब एशिया कप 2025 में कमेंटरी भी कर रहे हैं.

शाहिद अफरीदी ने क्या कहा

वहां पर बहुत ज्यादा है. वो घरों तक पहुंच जाते हैं, घर जलाने की धमकियां देते हैं उन प्लेयर्स को, तो अब मैं क्या कहूं. कुछ ऐसे हैं जो अभी तक साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी है. जब से वो पैदा हुए हैं यही साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं. और फिर एशिया कप में जाकर कमेंटरी भी कर रहे हैं.

दुबई में कम दिख रहा है भारत-पाकिस्तान मैच का क्रेज!

पहलगाम हमले के बाद भारत में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बहिष्कार की भी मांग उठी, हालांकि सरकार ने साफ किया कि हम उनके साथ किसी भी खेल में द्विपक्षीय मुकाबला नहीं खेलेंगे लेकिन मल्टीटीम टूर्नामेंट (इंटरनेशनल या एशिया कप टूर्नामेंट) में खेलेंगे. हालांकि 14 सितंबर को होने वाले मैच को लेकर फैंस में पहले जैसा क्रेज देखने को नहीं मिल रहा.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खबर लिखे जाने तक स्टेडियम के सभी स्टैंड्स में टिकट उपलब्ध हैं, जबकि इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में जब दोनों टीमें दुबई में भिड़ी थी तो उस मैच के टिकट कुछ घंटों में बिक गए थे.

भारत-पाकिस्तान मैच से पहले हरभजन सिंह का बड़ा बयान

दुबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में रविवार को भारत बनाम पाकिस्तान मैच है, जिसको लेकर काफी चर्चा है. पहलगाम हमले के बाद पहली बार ये दोनों टीमें आपस में खेल रही है. पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने एक बार फिर इस मैच को लेकर कहा कि ये नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर नहीं हो जाते तब तक न तो क्रिकेट और न ही व्यापार होना चाहिए.

हरभजन सिंह ने कहा कि क्रिकेट में एक दूसरे के साथ खेलने से पहले दोनों देशों के रिश्तों में सुधार होना जरुरी है. बता दें कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले में आतंकवादियों ने 26 भारतीय लोगों को मारा था. इसके तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण भारत में पड़ोसी देश को लेकर

गुस्सा है. इससे पहले वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया था.

भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर क्या बोले भज्जी

हरभजन सिंह ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच हमेशा से सुर्ख़ियों में रहता है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए. हम वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स खेल रहे थे, हमने पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेला.

भज्जी ने आगे कहा, हर किसी की अपनी सोच है, लेकिन मेरे अनुसार जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते नहीं सुधर जाते तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए. लेकिन ये मेरी राय है. सरकार कहती है कि मैच हो सकता है तो होना चाहिए. लेकिन दोनों देशों के बीच रिश्ते भी सुधरने चाहिए.

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट नहीं बिके!

इस बार भारत बनाम पाकिस्तान मैच का क्रेज भी कम दिख रहा है. इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हो कि पहले जहां इन दोनों टीमों के बीच होने वाले मैच के टिकट कुछ घंटे में बिक जाया करते थे वो इस बार नहीं दिखा. इस मैच के लिए लगभग हर स्टैंड के टिकट अभी उपलब्ध हैं.

सुपर–4 में भारत का सामना जापान से, पिछले मैच को भुलाकर मिले मौकों का उठाना होगा फायदा

हांगझोउ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में चीन से मिली (4-1 से) करारी हार से आहत भारतीय टीम को अब फाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-4 चरण के आखिरी मुकाबले में जापान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा और भारत को फाइनल में जगह बनाने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत है।

पूल चरण में भारत ने जापान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था, जिससे उसे आत्मविश्वास मिलेगा। वहीं, चीन पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है। टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

चीन के खिलाफ हार इस टूर्नामेंट में पहली हार

सुपर-4 के मैच में चीन के खिलाफ भारत की हार उसकी टूर्नामेंट की पहली हार थी। इससे पहले तक भारतीय टीम अजेय रही थी। हालांकि स्कोरलाइन 1-4 रही,

लेकिन भारत ने पूरे मैच में दमदार चुनौती दी और गेंद पर अधिकतर समय नियंत्रण बनाए रखा। इस मैच में भारत ने कई मौके बनाए, लेकिन फिनिशिंग कमजोर रही। खास तौर पर तीन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील न कर पाने की कीमत टीम को हार के रूप में चुकानी पड़ी।

खराब फिनिशिंग चिंता का कारण

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के लिए टीम की खराब फिनिशिंग चिंता का कारण है। वह उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी स्ट्राइकर लाइन मौके बनाने के साथ-साथ उन्हें भुनाने में भी सफल होगी। मुमताज खान टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कुछ बेहतरीन मैदानी गोल किए हैं। हालांकि उन्हें नवनीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ियों से अधिक सहयोग की आवश्यकता है।

कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गिरावट आई

टीम की अन्य खिलाड़ी जैसे रुतुजा दादासो पिसल, लालरेमसियामी, उदिता, शर्मिला देवी और ब्यूटी डुंग डुंग से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इन खिलाड़ियों ने शुरुआत में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन बाद के मैचों में प्रदर्शन में गिरावट आई है।

कप्तान सलीमा टेटे से भी बेहतर लीडरशिप की उम्मीद

मध्य पंक्ति की बात करें तो नेहा गोयल और वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने संतुलित खेल दिखाया है, लेकिन उन्हें अग्रिम पंक्ति को अधिक अवसर देने की जरूरत है। कप्तान सलीमा टेटे से भी बेहतर लीडरशिप और प्रेरणादायक प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जो अब तक अपेक्षा से कम रहा है।

भारत की रैंकिंग विश्व में नौवें स्थान पर

वर्तमान में भारत की रैंकिंग विश्व में नौवें स्थान पर है और वह चीन के बाद टूर्नामेंट में दूसरी सबसे उच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप का खिताब जीतने वाली टीम को अगले वर्ष बेल्जियम और नीदरलैंड में 15 से 30 अगस्त के बीच होने वाले विश्व कप के लिए सीधी एंट्री मिलेगी। ऐसे में भारत के लिए शनिवार का मुकाबला निर्णायक साबित हो सकता है।

'पता नहीं उसे मैं याद होऊंगा या नहीं' मैच के बाद गिल ने यूएई के सिमरनजीत को लगाया गले

दुबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में भारत और यूएई के बीच भले ही मुकाबला एकतरफा रहा, लेकिन मैच के बाद का एक पल क्रिकेट फैंस के दिल जीत ले गया। टीम इंडिया के उप-कप्तान शुभमन गिल ने जीत दिलाने के बाद यूएई के स्पिनर सिमरनजीत सिंह को गले लगाया। यह पल कैमरे में कैद हुआ और सोशल मीडिया पर छा गया।

बचपन की दोस्ती आई याद

सिमरनजीत सिंह ने मैच से पहले ही एक इंटरव्यू में बताया था कि वह शुभमन गिल को बचपन से जानते हैं। उन्होंने बताया था 'मैं शुभमन को तब से जानता हूं, जब वह बच्चा था लेकिन पता नहीं उसे मैं याद हूं या नहीं। यह 2011-12 की बात होगी जब शुभमन 11 या 12 साल का रहा होगा। हम मोहाली में पीसीए अकादमी पर सुबह छह से 11 बजे तक अभ्यास करते थे। शुभमन अपने पिता के साथ सुबह 11 बजे आता था। मैं अपने नेट सत्र के बाद काफी अतिरिक्त गेंदबाजी करता था।

पता नहीं अब वह मुझे पहचानेगा या नहीं, लेकिन उन दिनों मैंने उसे काफी गेंदबाजी की है।'

जीत के बाद गले लगाकर तोड़ी झिझक

भारत ने 57 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 4.3 ओवर में जीत हासिल की। शुभमन गिल ने नौ गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाते हुए आखिरी चौका लगाया। इसके तुरंत बाद गिल सिमरनजीत के पास गए और उन्हें गले लगा लिया। इस एक जेस्चर ने सिमरनजीत के चेहरे पर मुस्कान ला दी और फैंस को भी इमोशनल कर दिया। गिल ने ऐसा करके यह साफ कर दिया कि वह उन्हें अच्छी तरह याद रखते हैं। यह पल देखकर सिमरनजीत भी मुस्कुरा उठे।

फैंस बोले 'यही है क्रिकेट की खूबसूरती'

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया, फैन्स के रिएक्शन की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा, 'गिल ने न सिर्फ मैच जीता, बल्कि दिल भी जीत लिए।' दूसरे फैन ने कहा, 'इसलिए क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, इमोशन है। ऐसे पलों को देखना हमेशा खास रहता है।' यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लाखों लोग इसे शेयर कर रहे हैं।

टीम इंडिया की धमाकेदार शुरुआत

मैच की बात करें तो कुलदीप यादव ने चार विकेट लेकर यूएई की बल्लेबाजी को धराशाई कर दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम का रवैया और ऊर्जा शानदार रही। उन्होंने कहा, 'हमें देखना था कि विकेट कैसा खेल रहा है। लड़कों ने वही एटिट्यूड दिखाया जिसकी जरूरत थी। यह जीत हमारे लिए शानदार शुरुआत है।'

संतान की लंबी आयु के लिए कब और किस देवता की करनी होती है पूजा?

हिंदू धर्म में संतान से जुड़े तमाम तरह के व्रत में जीवित्पुत्रिका या फिर कहें जितिया व्रत का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। मान्यता है कि नहाय खाय से प्रारंभ होकर तीन दिनों तक चलने वाले इस व्रत को करने पर संतान की आयु बढ़ती है और वह सुखी जीवन जीता है।

जितिया व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त

संतान के सुख-सौभाग्य से जुड़े जिस व्रत को बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश के पूर्वी राज्यों में मुख्य रूप से रखा जाता है उसकी शुरुआत इस साल 13 सितंबर 2025 को नहाय खाय से होगी। इसके अगले दिन 14 सितंबर 2025 को विधि-विधान से जीवित्पुत्रिका व्रत रखा जाएगा, जबकि इसका पारण अगले दिन 15 सितंबर को किया जाएगा।

जीवित्पुत्रिका व्रत की कथा

हिंदू मान्यता के अनुसार जितिया व्रत की शुरुआत कलियुग की प्रारंभ में हुई। मान्यता है कि एक बार जीमूतवाहन नाम के राजा कहीं जा रहे थे तभी उन्हें एक रोती हुई स्त्री की आवाज सुनाई दी। जिसके पास जाने पर उन्हें पता चलता कि भगवान श्री विष्णु का वाहन आज उनके पुत्र को उठाकर ले जाएगा और खा जाएगा। तब राजा ने उस महिला को भरोसा दिलाया कि वे उसके बेटे की जगह गरुण का भोजन बनेंगे।

जब उन्होंने महिला के बेटे की जगह खुद को प्रस्तुत किया तो गरुण ने राजा के परोपकार की भावना से प्रसन्न होकर उन्हें वैकुंठ में जाने का आशीर्वाद दिया और बाकी बच्चों को भी पुनर्जीवित कर दिया। मान्यता है कि तभी से क पहले बाकी बच्चों को भी जीवित कर दिया। मान्यता कि तभी से महिलाएं अपनी संतान की सुरक्षा और सौभाग्य के लिए जीमूतवाहन देवता के लिए व्रत और पूजा इस दिन करने लगीं।

जीवित्पुत्रिका व्रत की पूजा विधि

जीवित्पुत्रिका व्रत भी छठ के समान होता है। जितिया व्रत का पुण्यफल पाने के लिए महिलाओं को इस व्रत के एक दिन पहले नहाय-खाय की परंपरा निभानी होती है। इस दिन महिलाएं सात्विक भोजन बनाकर पहले अपने पितरों को और फिर कौवे आदि को अर्पित करना होता है। जितिया व्रत वाले दिन महिलाएं को सूर्योदय से पहले उठकर स्नान-ध्यान करना चाहिए और पूरे दिन निर्जल व्रत रखना चाहिए।

जितिया व्रत की पूजा करने के लिए घर के पवित्र स्थान पर मिट्टी और गोबर से लिपाई करके एक छोटा सा तालाब बना लें और वहां पर कुशा की मदद से भगवान जीमूतवाहन को स्थापित करें।

इसके साथ वहीं पर मिट्टी और गोबर की मदद से चील और सियारिन की प्रतिमा भी बनाएं और उनकी पूजा भी साथ ही साथ करें। भगवान जीमूतवाहन की धूप-दीप, माला-फूल, रोली-सिंदूर, मिठाई-फल आदि को अर्पित करके जितिया व्रत की कथा पढ़ें या फिर सुनें। व्रत के अगले दिन शुभ मुहूर्त में पारण करके भगवान जीमूतवाहन से संतान की लंबी आयु का आशीर्वाद मांगें।

कब किया जाएगा मृत पुरुषों का श्राद्ध?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का बड़ा महत्व है। यह 15 दिनों की वह अवधि है, जब हम अपने दिवंगत पूर्वजों को से जुड़े अनुष्ठान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन दिनों में पितर पितृ लोक से पृथ्वी पर आते हैं और अपने वंशजों द्वारा किए गए तर्पण और श्राद्ध को स्वीकार करते हैं।

पितृ पक्ष की शुरुआत हो चुकी है, जिसका समापन सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि दिवंगत पुरुषों का श्राद्ध कब करना चाहिए?

श्राद्ध का महत्व

पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि इस दौरान किए गए श्राद्ध कर्म से पूर्वजों को मोक्ष मिलता है। श्राद्ध करने से पितृ ऋण उतरता है और वे अपने वंशजों को सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और लंबी आयु का आशीर्वाद देते हैं। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह कृतज्ञता, प्यार और सम्मान का प्रतीक है।

कब करें दिवंगत पुरुषों का श्राद्ध?

सही तिथि पर - मृत्य पुरुषों का श्राद्ध उस तिथि पर किया जाता है, जिस तिथि पर पूर्वज का निधन हुआ हो। अगर किसी वजह से तिथि की जानकारी न हो तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन भी श्राद्ध करना शुभ माना जाता है। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

शुभ मुहूर्त - श्राद्ध कर्म करने का सबसे अच्छा समय दोपहर का होता है, जिसे 'कुतप काल' या 'रौहिण मुहूर्त' कहा जाता है। यह समय अलग-अलग तिथियों के अनुसार बदलता रहता है, लेकिन सामान्य तौर पर कुतप मुहूर्त सुबह 11 बजकर 53 मिनट से 12 बजकर 43 मिनट के बीच होती है।

दिशा - श्राद्ध करते समय व्यक्ति को दक्षिण दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए, क्योंकि यह पितरों की दिशा मानी जाती है।

आवश्यक सामग्री - श्राद्ध में कुश घास और काले तिल का उपयोग किया जाता है। इसके बिना श्राद्ध को अधूरा माना जाता है।

भोजन - श्राद्ध के लिए सात्विक भोजन तैयार किया जाता है। भोजन में खीर, पूड़ी, और कद्दू की सब्जी जैसी चीजें शामिल होती हैं।

दान - श्राद्ध के बाद भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कुत्ते, कौवे और चींटियों को खिलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे पूर्वजों की आत्मा तृप्त होती है। इसके साथ ही ब्राह्मणों को भोजन और दक्षिणा भी जरूर देना चाहिए।

सात्विक जीवन - पितृ पक्ष के दौरान व्यक्ति को सात्विकता का ध्यान रखना चाहिए।

हस्तरेखाएं ही सब कुछ तय करती हैं ? विक्रमादित्य का ये जवाब दूर कर देगा सारे भ्रम

सम्राट विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे, परन्तु वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी सम्राट विक्रमादित्य के पास आए और बोले, ''महाराज, आपके दरबार में कई ज्योतिषी हैं।

आपकी ओर से हमें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, परन्तु आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं ?''

सम्राट विक्रमादित्य ने कहा, ''मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखाओं की बात है, तो मैं इनमें विश्वास नहीं रखता लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए।''

हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई।

राजा ने पूछा, ''क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं ?''

राज ज्योतिषी ने कहा, ''राजन आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आपको तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों वर्षों से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को।''

विक्रमादित्य ने कहा, ''अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए।''

इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, ''बस महाराज रहने दीजिए।''

राजा ने कहा, ''ज्योतिषी जी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, दुर्भाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है।''

पितृ पक्ष में इन पेड़-पौधों के पास जलाएं दीपक, नेगेटिव एनर्जी रहेगी दूर

पितृ पक्ष के दौरान तर्पण पिंडदान और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं जिससे साधक पितृ प्रसन्न होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे पेड़-पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके आसपास पितृ पक्ष में दीपक जलाने से आपको काफी लाभ देखने को मिल सकता है। पितरों के लिए समर्पित है पितृपक्ष की अवधि।

7 सितंबर से 21 सितंबर तक चलेगा श्राद्ध पक्ष

पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म करना होता है शुभ

इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो चुकी है, जो 21 सितंबर तक चलने वाला है। इस 15 दिन की समयावधि को पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बहुत ही उत्तम माना गया है। ऐसा करने से जातक व उसके परिवार को पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही आप पितृ पक्ष में इन पेड़-पौधों के पास दीपक जला सकते हैं, जिससे आपको पितरों की कृपा मिल सकती है। साथ ही पितृ दोष से भी राहत देखने को मिल सकती है।

मिलेगा पितरों का आशीर्वाद

पितृ पक्ष में पीपल की पूजा करना पितरों की कृपा प्राप्ति का एक उत्तम उपाय माना गया है। इस पेड़ में पितरों का भी वास माना गया है।

ऐसे में आप पितृ पक्ष में रोजाना शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दीपक में काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जला सकते हैं। इससे आपको पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

दूर होगी नकारात्मकता

हिंदू धर्म में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। ऐसे में यदि आप पितृ पक्ष के दौरान तुलसी के पास दीपक जलाते हैं, तो इससे आपको कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। पितृ पक्ष में रोजाना शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

इससे भी मिलेगा लाभ

पितृ पक्ष के दौरान आप शाम के समय बरगद के पेड़ के नीचे घी का दीपक जला सकते हैं। इससे आपको शुभ परिणाम देखने को मिल सकते है।

शमी के पौधे का संबंध शनिदेव और भगवान शिव से माना गया है। ऐसे में आप शमी के पेड़ के नीचे भी दीपक जला सकते हैं। ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और पितृ दोष से भी राहत मिल सकती है।

श्राद्ध के दौरान रखें इन बातों का ध्यान, पितर होंगे प्रसन्न

श्राद्ध के दौरान वास्तु शास्त्र का पालन करने से पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। मुख्य रूप से, दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है, इसलिए तर्पण और पूजा दक्षिण की ओर मुख करके करनी चाहिए। घर के दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम दिशा की दीवार पर पितरों की तस्वीर लगाना शुभ होता है, लेकिन उन्हें बैडरूम, रसोई या सीढ़ियों के पास रखने से बचें।

एक से अधिक पितरों की तस्वीरें घर में न लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। घर के मुख्य द्वार को स्वच्छ रखें और टपकते नल को तुरंत ठीक कराएं।

दक्षिण दिशा की ओर पैर करके सोने से बचें क्योंकि इससे पितर नाराज हो सकते हैं। अग्नि को पूजा स्थल के आग्नेय (दक्षिण-पूर्व) कोण में रखें। श्राद्ध के दौरान घर में शांति और एकाग्रता बनाए रखें।

श्राद्ध के दौरान नए कपड़े, जूते या अन्य वस्तुएं खरीदना टालना चाहिए। श्राद्ध के दौरान मांस, प्याज, लहसुन और शराब का सेवन न करें। पितृ पक्ष के दौरान गृह प्रवेश, विवाह जैसे शुभ कार्य न करें। घर में लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल न करें। इसके बजाय चांदी, पीतल या तांबे के बर्तनों का प्रयोग करें।

अयोध्या में राम मंदिर के पास गिलहरी की मूर्ति क्यों हुई स्थापित?

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के पास ही अंगद टीले पर हाल ही में गिलहरी की एक विशाल मूर्ति को स्थापित किया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के द्वारा इस मूर्ति की स्थापना की गई। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट ने रामायण में गिलहरी की भूमिका को मान्यता देते हुए यह कदम उठाया। आपको बता दें कि गिलहरी की मूर्ति ऐसी जगह पर लगाई गई है, जहां से ऐसा प्रतीत होता है कि गिलहरी मंदिर को निहार रही है। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि आखिर गिलहरी ने रामायण में क्या भूमिका निभाई थी और उसका योगदान क्यों विशेष था।

रामायण में गिलहरी की भूमिका

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, माता सीता तक पहुंचने के लिए भगवान वानर सेना के द्वारा जब राम सेतु का निर्माण किया जा रहा था तब एक गिलहरी भी वहां मौजूद थी। वानर जहां बड़े-बड़े पत्थर सेतु के निर्माण में

लगा रहे थे वहीं एक छोटी सी गिलहरी भी कंकड़ और रेत समुद्र में गिरा रही थी। गिलहरी यह कार्य पूरे मनोयोग से कर रही थी और सेतु निर्माण में योगदान दे रही थी। उसको ऐसा करते देख वानरों ने उसका मजाक उड़ाया और उससे कहा कि तुम बहुत छोटी हो और पत्थरों के नीचे दब जाओगी इसलिए यहां से चली जाओ।

यह बात जब श्रीराम को पता चली तो उन्होंने हस्तक्षेप किया और वानरों से कहा कि गिलहरी के द्वारा सेतु तक ले जाए गए छोटे कंकड़ और रेत पुल को मजबूती दे रहे हैं, और सेतु के बीच के सुराखों को भर रहे हैं। यानि भगवान श्रीराम ने गिलहरी के योगदान को भी पूरा श्रेय दिया जिसके बाद वानरों ने अपनी भूल के लिए क्षमा मांगी। माना जाता है कि इस दौरान श्रीराम ने गिलहरी को अपने हाथ पर पकड़कर दूसरे हाथ की तीन उंगलियों से प्रेम पूर्वक गिलहरी की पीठ को सहलाया था और तब से ही गिलहरी की पीठ पर तीन रेखाएं उभर आई। ये तीन रेखाएं भगवान राम के प्रेम, स्नेह को दर्शाती हैं। भगवान श्रीराम ने गिलहरी के कार्य को सराहकर यह संदेश दिया था कि हर व्यक्ति या जीवन चाहे वो छोटा हो या बड़ा उसका प्रयास महत्वपूर्ण होता है। समर्पण और भक्ति से किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं होता।

काशी के कोतवाल हैं कालभैरव

सुरेश गांधी

गंगा की गोद में बसी काशी केवल एक नगर नहीं, यह तो सनातन संस्कृति की जीवित सांस है। यहां हर घाट, हर गलियारा, हर मंदिर किसी अनंत कथा का साक्षी है। काशी आने वाले यात्री के मन में सबसे बड़ा प्रश्न यही उठता है कि यात्रा की शुरुआत किससे हो, क्या सीधे बाबा विश्वनाथ, जगत के ज्योतिर्लिंग से या फिर काशी के कोतवाल कहे जाने वाले काल भैरव से? परंपरा कहती है कि काशी यात्रा की शुरुआत प्रातःकाल गंगा स्नान से होनी चाहिए। स्नान के बाद भक्त काल भैरव मंदिर पहुंचते हैं। वहां पूजा-अर्चना कर वे मानो काशी की दहलीज पर दस्तक देते हैं। इसके बाद ही वे विश्वनाथ धाम जाकर ज्योतिर्लिंग का दर्शन करते हैं। मतलब साफ है रक्षा और अनुमति काल भैरव के हाथों में है, जबकि मोक्ष और कृपा विश्वनाथ के आंचल में, वैसे भी काल भैरव की महिमा केवल रक्षक देवता की नहीं, बल्कि धर्माधीश की भी है। विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात आत्मा से प्रश्न पूछने का दायित्व भी काल भैरव का ही है। इसीलिए वे काशी के प्रहरी और न्यायपालक कहलाते हैं। काशी यात्रा का सौंदर्य इसी संतुलन में है, पहले कोतवाल को प्रणाम कर महादेव तक पहुंचना। यही काशी की आत्मा का विधान है, काशी आने वाले हर यात्री के लिए संदेश यही है कि गंगा स्नान कर सबसे पहले काल भैरव के दरबार जाएं। उनकी अनुमति और आशीर्वाद लेने के बाद जब भक्त विश्वनाथ की आरती में सम्मिलित होता है, तब वह अनुभव साधारण नहीं रह जाता, बल्कि आत्मा को शिवत्व से जोड़ देने वाला बन जाता है. यह काशी की परंपरा, महिमा और आध्यात्मिक सौंदर्य की पूर्णता है गंगा के तट पर अवस्थित काशी स्वयं महादेव का सनातन धाम है। धार्मिक ग्रंथों और स्थानीय परंपराओं के अनुसार, काशी की रक्षा का दायित्व

स्वयं महादेव ने काल भैरव को सौंपा। शिव पुराण के अनुसार, काल भैरव बिना अनुमति किसी साधक को काशी में फलदायी पूजा का अधिकारी नहीं मानते। मान्यता है कि जब तक भक्त काल भैरव बाबा की शरण में न जाए, तब तक काशी यात्रा अधूरी मानी जाती है। इसी कारण काशी में पीढ़ियों से यह परंपरा रही है कि पहले काल भैरव के मंदिर में जाकर वंदना की जाए और उनकी स्वीकृति लेकर ही विश्वनाथ धाम पहुंचा जाए। काल भैरव भगवान शिव का ही उग्र और रक्षक रूप हैं।

कहते है जब ब्रह्मा जी ने अहंकारवश शिव का अपमान किया, तब शिव के भौंहों से प्रकट हुए भैरव ने ब्रह्मा का एक सिर छेदन कर दिया। इस कारण उन्हें ब्राह्मण-हत्या का पाप लगा और वे भिक्षाटन करते हुए समस्त लोकों में घूमे। अंततः यह पाप काशी में आकर भैरव से मुक्त हुआ। तभी से काल भैरव को काशी का कोतवाल और पापमोचक माना गया। यही कारण है कि जो भक्त काल भैरव के चरणों में नहीं झुकता, उसे काशी का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता। भैरव का स्वरूप ही भय और भक्ति का अद्भुत संतुलन है, एक ओर कठोर दंडाधिकारी, तो दूसरी ओर भक्तों को पाप से मुक्त करने वाले करुणामय। उनकी गंभीर आभा साधक को अनुशासन और मर्यादा का संदेश देती है। इसके बाद विश्वनाथ धाम की भव्यता और घंटों की अनुगूंज आत्मा को शिवमय कर देती है। यह यात्रा केवल देवदर्शन नहीं, बल्कि आत्मा का क्रमिक शुद्धिकरण है।

बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए परंपरा अनुसार दर्शन का क्रम इस प्रकार माना गया है, पहला गंगा स्नान : काशी यात्रा का प्रारंभ प्रातःकाल गंगा में स्नान से होता है। स्नान को शुद्धि और पावनता का प्रथम सोपान कहा गया है। दुसरा काल भैरव मंदिर दर्शन : गंगा स्नान के पश्चात भक्त सीधे काल भैरव मंदिर पहुंचते हैं। यहां पूजा-अर्चना कर वे मानो काशी की दहलीज पर दस्तक देते हैं। वैसे भी जब साधक काल भैरव मंदिर की गलियों में पहुंचता है, तो वहां की गंभीरता और शक्ति की आभा उसे भीतर तक स्पर्श करती है। भैरव का रूप ही भय और भक्ति का अद्भुत संतुलन है, एक ओर कठोर दंडाधिकारी, तो दूसरी ओर भक्तों को पाप से मुक्ति देने वाले करुणामय। यहां पूजा-अर्चना कर काशी में प्रवेश की अनुमति और आशीर्वाद लिया जाता है। तीसरा काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन : काल भैरव की वंदना के बाद भक्त बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंचते हैं।

'एक चतुर नार' में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला

अभिनेत्री दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म एक चतुर नार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वो पहली बार कॉमेडी में हाथ आजमाती दिखाई देंगी। फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने खास बातचीत में बताया कि वो हमेशा से ही कॉमेडी में हाथ आजमाना चाहती थीं। उनके अंदर कॉमेडी कूट-कूटकर भरी हुई है। दिव्या खोसला ने कहा, मुझे हमेशा से पता नहीं क्यों लगता रहा है कि कॉमेडी ही मेरी शैली है। और मैं हमेशा से इसे करना चाहती थी और ईश्वर से प्रार्थना करती थी कि मुझे एक कॉमेडी फिल्म में काम करने का मौका मिले। इसलिए जब यह मौका आया, तो मुझे लगा कि आखिरकार मुझे वह करने का मौका मिल रहा है जो मैं करना चाहती थी।

शायद लोग मेरे इस पहलू को नहीं जानते, क्योंकि मैं असल जिंदगी में भी बहुत कॉमेडी करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, शायद इसलिए इस फिल्म में काम करते हुए मुझे काफी मजा आया और मुझे लगता है कि जब आप इसका आनंद लेते हैं और उस दबाव को नहीं लेते, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात होती है, वह सफर वाकई सुखद होता है। एक चतुर नार की कहानी हिमांशु त्रिपाठी ने लिखी है। इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। यह एक ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है। वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। इसमें उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है। वो फिर उसे आगे बढ़ने की सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करने लगती है। फिल्म में उनके सह-कलाकार नील नितिन मुकेश ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने निर्देशक की अपने कलाकारों का अच्छी तरह से ख्याल रखने और उन्हें उड़ान भरने की पूरी आजादी देने के लिए सराहना की थी।

रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ नए सफर की शुरुआत कर रही हैं कुब्रा सैत

बोल्ड चॉइसेज़ और बेबाक अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत, जिन्होंने थिएट्रिकल और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी प्रतिभा साबित की है, अब एक बिल्कुल नए सफर की शुरुआत कर रही हैं—अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ। अपनी अनफ़िल्टर्ड पर्सनैलिटी और वर्सटिलिटी के लिए मशहूर एक्ट्रेस अब ऐसे मंच पर खुद को आज़मा रही हैं जहाँ अनप्रिडिक्टेबिलिटी ही असली नियम है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने इस सफर के मायने बताए। अपनी ईमानदारी और गहराई से भरे अंदाज़ में उन्होंने कहा–मुझे अनजाने को खोजने का शौक है और यह मेरे लिए सबसे बेहतरीन अनुभव होने वाला है। मेरी ज़िंदगी के अनुभवों के हिसाब से, मैं कभी शासक बन सकती हूँ तो कभी मेहनतकश इंसान। मैं एक भरोसेमंद, ज़िम्मेदार इंसान हूँ। चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ, मैं वफ़ादार रहूँगी। और हम ज़रूर उठेंगे।

उनका यह बयान बिल्कुल वही दर्शाता है जिसकी उम्मीद उनके फैंस उनसे करते हैं—हिम्मत, यक़ीन और अटूट जज़्बा। यह राइज़ एंड फॉल के फॉर्मेट को भी बखूबी दर्शाता है, जहाँ कंटेस्टेंट्स को ऊँचाइयों और गहराइयों से गुज़रते हुए, लॉयल्टी, स्ट्रैटेजी और एडैप्टेबिलिटी की असली परीक्षा देनी पड़ती है। कुब्रा के लिए, जो हमेशा खुद को नए रूप में ढालने के लिए जानी जाती हैं, यह मौका है स्क्रिप्ट्स और किरदारों को पीछे छोड़कर खुद को असली और अनफ़िल्टर्ड रूप में पेश करने का। उनके शब्द यह जताते हैं कि वह केवल सर्वाइव ही नहीं करना चाहतीं, बल्कि मुश्किलों के बावजूद मजबूती से खड़ी होकर जीतना चाहती हैं। राइज़ एंड फॉल के साथ, कुब्रा अपने शानदार करियर में एक और अध्याय जोड़ रही हैं। फिल्मों और वेब-शोज़ में अपने स्टैंडआउट परफॉर्मेंस की तरह ही अब वह रियलिटी शो की अनिश्चित दुनिया में भी उतनी ही ऊर्जा के साथ कदम रख रही हैं। वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ द ट्रायल्स सीज़न 2 में और वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नज़र आएंगी।

जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज, कोर्टरूम ड्रामा में भिड़ेंगे अक्षय कुमार और अरशद वारसी

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार ने इस ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में एक बार फिर कोर्टरूम ड्रामा, सामाजिक मुद्दे, और हास्य का मेल देखने को मिलेगा। इस बार कहानी और भी गंभीर और संवेदनशील विषय को उठाती नजर आती है, जिसमें दो जॉली, अक्षय कुमार और अरशद वारसी, आमने-सामने हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक गंभीर और भावनात्मक डायलॉग से होती है, मेरे दादा को परदादा से और मुझे पिता से जो विरासत में मिली, वही सौंपना चाहता था मैं अपने बेटे को। इस वॉयसओवर के साथ दंगों, पुलिस के लाठीचार्ज और सामाजिक उथल-पुथल के दृश्य सामने आते हैं। इसी दौरान एक महिला स्वर्गीय राजाराम सोलंकी की मूर्ति के पैरों से लिपटी दिखाई देती है। इसके बाद अक्षय कुमार की एंट्री होती है, जो स्कूटर चलाते नजर आते हैं। वह पैसों के बदले में अपने असिस्टेंट से कहते हैं, कोई जॉली बोले तो उसे मेरे पास ही लेकर आना। अक्षय कुमार के साथ हुमा कुरैशी भी नजर आई हैं, जिनकी शराब पीने की आदत से अक्षय परेशान दिखाई देते हैं। वहीं, अरशद वारसी एक बार फिर वकील के किरदार में हैं, जो खुद को बेहद बिजी बताते हैं, लेकिन असल में उनके पास कोई काम नहीं होता। ट्रेलर में अक्षय और अरशद एक ही क्लाइंट को लेकर भिड़ते भी दिखते हैं। अरशद अक्षय को क्लाइंट चोर तक कह देते हैं, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की नौबत आ जाती है।

फिल्म की कहानी में एक जमीन विवाद को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है, जिसमें खेतान साहब, जिनका किरदार गजराज राव निभा रहे हैं, एक प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देते हैं। अक्षय कुमार खेतान साहब से मिलने के लिए किसी से गुजारिश करते हैं, जो कहता है कि उन्हें खुद मिलने में एक साल और नाम याद कराने में दो साल लगे। लेकिन, चौंकाने वाला मोड़ तब आता है, जब खेतान साहब खुद अक्षय से मिलने पहुंचते हैं। इस केस को लेकर अक्षय और अरशद एक बार फिर आमने-सामने आते हैं। कोर्टरूम में दोनों वकीलों के बीच की बहस, रणनीति और नोकझोंक कहानी को दिलचस्प मोड़ देती है। ट्रेलर में अमृता राव की झलक भी देखने को मिली है। ट्रेलर से साफ है कि जॉली एलएलबी 3 कॉमेडी के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से सवाल उठाएगी। जॉली एलएलबी 3 19 सितबंर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अक्षरा सिंह ने जिंदगी के नाम दिया बड़ा संदेश

अपनी दमदार एक्टिंग और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसने न सिर्फ उनके फैंस का दिल छू लिया, बल्कि उनके कैप्शन ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में अक्षरा ने कैप्शन में अपने जज्बात लिखे। तस्वीर में अक्षरा सिंह एक खूबसूरत सूट में नजर आ रही हैं जो उनकी सादगी और खूबसूरती को और निखार रहा है। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास की एक अलग चमक है। अपने जज्बातों को जाहिर करते हुए अक्षरा ने लिखा, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी, शिकवे नहीं, बस सब्र से अपने जज्बातों को छुपाऊंगी। इस कैप्शन में अक्षरा ने न सिर्फ अपने जज्बात जाहिर किए हैं, बल्कि एक संदेश भी दिया है कि चाहे हालात कैसे भी हों, खुद को कमजोर नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, साथ न दो तुम अगर, तो भी न डगमगाऊंगी, कांटों की राहों पर चलकर भी, अपने हौसलों को सजाऊंगी। दिल टूटे तो क्या हुआ, सांसों का सफर अब भी बाकी है, जिंदगी की किताब में कुछ नए पन्ने लिखने की झांकी है, हर दर्द को रोशनी में बदलकर खुद को ही अपनाऊंगी, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी।

आलिया ने जाहिर की कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश

आलिया भट्ट की जिंदगी मां बनने के बाद काफी बदल गई है, इस बात का असर उनकी फिल्मों की च्वाइस पर भी पड़ने लगा है। हाल ही में आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। ऐसा वह अपनी बेटी के लिए करना चाहती हैं। बातचीत में आलिया भट्ट ने अपने फ्यूचर फिल्म प्रोजेक्ट का जिक्र किया है। आलिया चाहती हैं कि वह ऐसी फिल्म करना चाहती है, जिसे बेटी राहा देख सके। आलिया एक कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश रखती हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अब तक खुद कॉमेडी नहीं की है, इसलिए इस जॉनर की फिल्म करना चाहती हूं। मैं कुछ ऐसा तलाश कर रही हूं, जो मुझे इंस्पायर करे।' आलिया भट्ट आगे कहती हैं, 'कुछ एक्साइटिंग चीजें मेरे पास आई हैं, अभी इनके बारे में बात नहीं कर सकती हूं। बस मैं सही डायरेक्शन में आगे बढ़ना चाहती हूं।'

इस साल एक्शन फिल्म में नजर आएंगी आलिया

आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल एक फिल्म 'अल्फा' कर रही हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसमें आलिया एक स्पाई का रोल करती दिखेंगी। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर आलिया इन दिनों काफी मेहनत कर रही हैं।

रंग के कारण खूब मिले रिजेक्शन

एक्ट्रेस मंजरी पुपला कभी एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने का सपना देखती थीं। लेकिन एक्टिंग के लिए पैशन ने उन्हें थिएटर, टीवी और सिनेमा की दुनिया से जोड़ा। साल 2015 में मराठी टीवी सीरियल दिल दोस्ती दुनियादारी से एक्टिंग डेब्यू किया। वह 2017 में टीवी रियलिटी शो सबसे बड़ा कलाकार में एक्टिंग गुरु बनकर पहुंचीं। करियर के शुरुआती दौर में अपने अपने डार्क कॉम्प्लेक्शन के कारण कई रिजेक्शन मिले।

आज मंजरी पुपला सिनेमा से लेकर ओटीटी की दुनिया में जाना-पहचाना नाम हैं। हमने उन्हें वेब सीरीज शहर लखोट और दहाड़, जबकि बड़े पर्दे पर सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और धड़क 2 में देखा-सराहा है। बातचीत में मंजरी ने अपने करियर, संघर्ष और सिनेमाई सफर पर बड़ी बेबाकी से बात रखी है।

कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में जाना चाहती थी

मंजरी बताती हैं कि वह हमेशा से अभिनेत्री नहीं बनना चाहती थीं। वह कहती हैं, मैं तो एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। मैं कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में जाना चाहती थी। मगर जब मैंने मराठी एक्ट्रेस वीणा जामकर को स्टेज पर देखा, तो मैं मंत्रमुग्ध हो गई। उसी पल मैंने तय किया कि मैं अब एयरोस्पेस इंजिनियर नहीं, बल्कि एक अभिनेत्री बनूंगी। मैं बहुत ही इंट्रोवर्ट लड़की हुआ करती थी। मैंने कभी कैमरा फेस किया ही नहीं था, मगर सेंट जेवियर्स कॉलेज के मेरे प्रोफेसर ने मेरा पहला फोटोशूट किया और एक जौहरी की तरह मुझे तराशा, एक?ट्रेस और मॉडल के रूप में। फिर नाटक, ओटीटी और फिल्मों में अभिनय का सिलसिला शुरू हुआ।

डार्क कॉप्लेक्शन के कारण नकारी गई

कई दूसरी लड़कियों की तरह मंजरी भी सेल्फ डाउट्स से गुजरी हैं। वह कहती हैं, मैं हमेशा सोचती थी कि मैं एक बार को नाटक में तो काम कर लूंगी, मगर शायद कैमरा फेस न कर पाऊं। अपने स्किन कलर को लेकर मैं बहुत हीन भावना की शिकार थी। मेरे लिए सुंदरता का मतलब गोरा रंग था। स्किन वाइटनिंग क्रीम्स ने बचपन से हमारी यही कंडीशनिंग कर रखी है। जबकि अपने घर में ऐसी कोई बात कभी सुनने नहीं मिली, मगर कंडीशनिंग ने मेरे दिमाग में बैठा दिया था कि सांवले रंग के कारण मैं कैमरे का सामना नहीं कर सकती। डार्क कॉप्लेक्शन के कारण ऑडिशन में भी दिक्कत आती थी। जब भी अपमार्केट या अर्बन किरदार की बात होती, गोरे रंग की डिमांड की जाती थी। अपने सांवले रंग के कारण मैं उस तरह के रोल्स के लिए ऑडिशन दे ही नहीं सकती थी। तभी मैंने तय किया कि मैं अपने कॉप्लेक्शन के कारण किसी रोल के लिए चुनी जाऊं, तो वो अहम हो। कई बार ये भी हुआ कि लीड रोल के ऑडिशन के लिए गई, मगर ऑफर हुआ हाउस हेल्प का रोल। कई साल तक ये सिलसिला चला, मगर ओटीटी के आने के बाद कई रियलिस्टिक किरदारों के चलते बदलाव आया है।

इंटीमेट सीन्स में विजय वर्मा और रीमा कागती ने सेफ फील करवाया

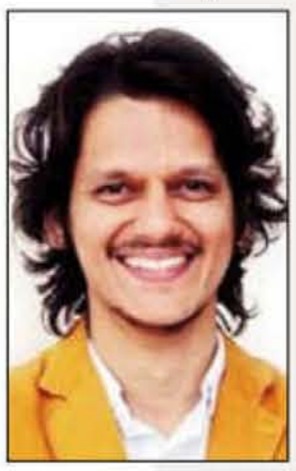

बतौर एक्ट्रेस मंजरी खुद को लकी मानती हैं कि उन्हें रीमा कागती (दहाड़, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव) और शाजिया इकबाल (धड़क 2) का साथ मिला। वह कहती हैं, दहाड़ में सेट पर रीमा कागती ने काफी सेफ फील करवाया। मैं पर्दे पर पहली बार अंतरंग दृश्य कर रही थी और ये सीन्स लॉकडाउन से पहले शूट किए थे, तो उस वक्त तक सेट पर इंटीमेसी डायरेक्टर इंट्रोड्यूज नहीं हुए थे, मैं बहुत डरी हुई थी। मगर रीमा ही नहीं, बल्कि मेरे को-एक्टर विजय वर्मा ने भी मेरा काफी खयाल रखा और उन इंटीमेट सीन्स में मुझे जरा भी असहजता महसूस नहीं हुई। साफ-सुथरे और प्रोफेशनल तरीके से वो सीन्स शूट हुए। फीमेल डायरेक्टर होने का ये फायदा तो होता है कि आप खुद को सेफ जोन में फील करते हैं।

जस्टिस अजीत सिंह ने किया जिला न्यायालय का दौरा

दीवानी अदालत में किया पौधारोपण, परिवार न्यायालय के नये भवन का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के प्रशासनिक न्यायमूर्ति अजीत सिंह ने जिला न्यायालय गौतमबुद्धनगर का निरीक्षण व भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान न्यायमूर्ति के साथ मलखान सिंह जिला जज गौतमबुद्धनगर, श्रीमती लक्ष्मी सिंह पुलिस आयुक्त एवं श्रीमती मेधा रुपम जिलाधिकारी सहित समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। न्यायमूर्ति अजीत सिंह ने समस्त न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों तथा जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव तथा बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्यगण के साथ बैठक की। जिसमें आवश्यक एवं प्रभावी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्त न्यायिक अधिकारीगण सहित जिला न्यायालय में नवनिर्मित परिवार न्यायालय भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए गए। इस दौरान उन्होंने कोर्ट रूम आदि स्थलों का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण दौरान संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए गए।

इस अवसर पर अजीत सिंह न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद/प्रशासनिक न्यायमूर्ति गौतमबुद्धनगर द्वारा दीवानी न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम मे समस्त न्यायिक अधिकारीगण सहित जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव एवं सम्मानित कार्यकारिणी सदस्यगण तथा प्रशासनिक एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, न्यायालय स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

सोहरखा गांव व सेक्टर-117 के बीच बनाई जाए बाउंड्रीवॉल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल) अशोक कुमार अरोड़ा ने अपने मातहत अधिकारियों के साथ सेक्टर-117 तथा सेक्टर-108 आदि कई सेक्टरों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को कई आदेश दिए। उन्होंने नाले की सफाई अच्छी नहीं पाए जाने पर अधिकारियों की फटकार भी लगाई।

नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक ए.के अरोड़ा वर्क सर्किल-6 के सीनियर मैनेजर के.वी सिंह, हेल्थ विभाग के सीनियर मैनेजर आर.के शर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर होर्टीकल्चर प्रशांत, मैनेजर आदर्श सिंह व इंस्पेक्टर एन.पी सिंह के साथ संयुक्त रूप से Rwa पदाधिकारियों के साथ सेक्टर-117 व 116 का निरिक्षण किया।

सेक्टर-117 के अध्यक्ष एड. कोसिंदर यादव द्वारा सेक्टर की ग्रीन बेल्टस की नीची पड चुकी बाउंड्रीवाल को ऊँचा कराने, फैसिलिटी प्लाट में जल्द-से-जल्द मार्केट का निर्माण कराने, 30 मीटर रोड के नजदीक छूटी हुई शेष अविकसित ग्रीन बेल्टस को जल्द-से-जल्द विकसित करा उसमें बच्चों के खेलने के लिए झूले लगवाने व सौहरखा गांव की तरफ से बार-बार असमाजिक तत्वों द्वारा तोडी जा रही ग्रीन बेल्टस की फेन्सिंग के स्थान पर ब्रिक वर्क करा बाउंड्रीवाल कराने, सेक्टर के मैन गेट्स पर सेक्टर का नक्शा लगाने का निवेदन किया गया।

सेक्टर-116 के अध्यक्ष ब्रह्मपाल चौधरी द्वारा सेक्टर के बाहरी दोनों 24 मीटर रोड्स को जल्द-से-जल्द कनेक्ट कराने, रोड में आ रही पुलिया की अच्छे से साफ-सफाई कराने, रोड के दोनों तरफ इन्टर लॉकिंक टाइल्स लगवाने, सामुदायिक केन्द्र के पास कामर्शियल प्लाट का लैंड यूज चेन्च कर उस स्थान को पार्किंग बनवाने के लिए कहा गया।

ए.के अरोड़ा से सभी संबंधित विभाग के अघिकारियों को जल्द-से-जल्द उपरोक्त सभी विषयों का निराकरण कराने के आदेश दिए।

इस दौरान ए.के पाठक, हर्ष मोहन जखमोला, कर्नल टी.एस चौधरी, मिश्रा जी, सुनील चौधरी व अन्य काफी संख्या में सेक्टर वासी उपस्थित रहे।

756 ओवरलोडिंग वाहनों का चालान, 3 करोड़ से ज्यादा का जुर्माना वसूला

परिवहन विभाग ने की कड़ी कार्यवाही

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों पर ओवरलोडिंग वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग के सहायक संभागीय अधिकारी (प्रवर्तन) नन्द कुमार, अभिषेक कनौजिया व यात्रीकर अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्यवाही की गई।

संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गौतमबुद्धनगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि परिवहन द्वारा ओवर लोडिंग पर कडी कार्यवाही करते हुये 13 ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चालान कर सेक्टर-142 , नालेज पार्क व बादलपर में निरुद्ध किया गया तथा 8 लाख 80 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग गौतमबुद्ध नगर द्वारा वित्तीय वर्ष मे माह 2025 मे अब तक क्रमिक रूप से 756 वाहनों के चालान व 506 वाहन बन्द से 3 करोड़ 28 लाख रु प्रशमन शुल्क वसूल किया गया है।

उन्होंने ओवरलोडिंग ट्रकों, मिनी ट्रकों के संचालकों एवं वाहन चालकों को बताया कि वाहन में क्षमता से अधिक माल लादने से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। यह न केवल वाहन चालकों और सड़क पर चलने वालों के लिए खतरा पैदा करता है, बल्कि आर्थिक और पर्यावरणीय नुकसान भी पहुंचाता है।

कर्नल किरोड़ी बैंसला की जयंती मनाई, दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर गांव में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में बाढ़ पीड़ितों के लिए चल रही टिकैत रसोई के दसवें दिन स्वर्गीय कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की जयंती भव्य रूप से मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कर्नल बैंसला के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला गुर्जर समाज के महान नेता थे जिन्होंने समाज को नई पहचान दी और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व किया। भारतीय सेना में रहते हुए उन्होंने चीन और पाकिस्तान सहित कई मोर्चों पर देश के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी। 31 मार्च 2022 को उनके निधन से समाज ने एक क्रांतिकारी नेता को खो दिया, लेकिन उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस अवसर पर राजस्थान में आरक्षण आंदोलन के दौरान शहीद हुए 72 वीरों को भी नमन किया गया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात रोजाना की भांति रायपुर गांव से वाजिदपुर पुश्ता तक भोजन का वितरण किया गया।

इस मौके पर जलकेश बाबूजी, रामकेश चपराना, मनोज त्यागी, राजेश सिंह, गजराज अवाना, जगदीश भड़ाना, मदन भाटी, गजेंद्र रेक्सवाल, अरविंद रेक्सवाल, रविंद्र चौहान, संचित चौहान, सिंहराज गुर्जर, अरुण गुर्जर, राजीव अवाना सहित अनेक लोगों ने निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

ईशान कॉलेज में ओरिएंटेशन दीक्षारम्भ का हुआ आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। ईशान शिक्षण संस्थान ग्रेटर नोएडा में सत्र 2025-26 में नव प्रवेशित छात्रों का ओरियेन्टेशन दीक्षारम्भ 2025 का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जनपद गौतमबुद्ध नगर की प्रथम महिला जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम (आई0ए0एस0) के द्वारा दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

जिलाधिकारी द्वारा अपने संबोधन में छात्रों को बताया कि परिस्थितिया कितनी भी कठिन या प्रतिकूल हो लेकिन कभी पीछे नही हटना चाहियें।

सम्बोधन के अन्त में जिलाधिकारी महोदया ने कालेज के चेयरमैन डा0 डी0के0 गर्ग, सी0ई0ओ0 डा0 तुषार आर्य एवं डा0 अमन आर्य की तारीफ करते हुये कहा कि आप लोगो ने अभी तक इस जनपद में वैदिक संस्कृति को संभाल एवं सवॉर कर रखा है। उन्होने जनपद का सबसे अच्छा शिक्षण संस्थान की भी उपाधि प्रदान की। जिलाधिकारी महोदया ने कालेज प्रागंण में वृक्षारोपण भी किया तथा उनको कालेज द्वारा स्मृति चिन्ह एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में विशेष अतिथि के रूप में डी0आर0 बंसल (आई0एफ0एस0) ने अपने संबोधन में छात्रो को एकाग्र एवं कठिन परिश्रम से पढाई करने के लिये प्रेरित किया।